नई दिल्ली ■ शनिवार 28 मार्च 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 359 ■ पृष्ठ 08

JBT

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 मिडिल ईस्ट युद्ध ने ट्रम्प की मुश्किलों को बढ़ाया | 07 भारतीय कंपाउंड मिश्रित टीम ने स्वर्ण पदक जीता | मलाइका अरोड़ा ने रिश्तों पर की खुलकर बात 08

नोएडा हवाई अड्डा वाणिज्य एवं संपर्क को बढ़ावा देगा : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा वाणिज्य और संपर्क को बढ़ावा देगा तथा दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे पर भीड़भाड़ कम करेगा।

प्रधानमंत्री ने हवाई अड्डे के उद्घाटन से एक दिन पहले कहा कि नोएडा हवाई अड्डा देश की प्रमुख नई परियोजनाओं में से एक है। यात्री सेवाओं के अलावा इसमें एक मजबूत मालवाहक प्रणाली भी होगी जिससे लॉजिस्टिक क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। मोदी शनिवार को उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले में नवनिर्मित नोएडा हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे जिसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रवेश द्वार के रूप में परिकल्पित किया गया है। उन्होंने कहा कि 28 मार्च को उत्तर प्रदेश और एनसीआर के लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन होगा। इससे वाणिज्य और संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। यह दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) पर भीड़भाड़ कम करेगा।

नोएडा हवाई अड्डे को दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) क्षेत्र के लिए दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में विकसित किया गया है जो दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का पूरक होगा। आधिकारिक बयान में कहा गया कि इसका उद्घाटन भारत की वैश्विक विमानन केंद्र बनने की दिशा में यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नोएडा हवाई अड्डा भारत की सबसे बड़ी नई हवाई अड्डा परियोजनाओं में से एक है। बयान में कहा गया कि दिल्ली और नोएडा हवाई अड्डे मिलकर एक एकीकृत विमानन प्रणाली के रूप में कार्य करेंगे, जिससे भीड़भाड़ कम होगी, यात्री क्षमता बढ़ेगी और दिल्ली-एनसीआर को विश्व के प्रमुख विमानन केंद्रों में स्थान मिलेगा।

नोएडा हवाईअड्डे के पहले चरण को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत 11,200 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। इस हवाईअड्डे की यात्री संभालने की क्षमता शुरुआत में प्रतिवर्ष 1.2 करोड़ यात्रियों की होगी। पूरी तरह विकसित होने पर इसे बढ़ाकर प्रतिवर्ष सात करोड़ यात्रियों तक बढ़ाया जा सकेगा। हवाई अड्डे की विशेषताओं में 3,900 मीटर लंबा रनवे शामिल है, जो चौड़े आकार के विमानों को संभालने में सक्षम है। आधुनिक 'नेविगेशन' प्रणाली जैसे इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम और हर मौसम में चौबीसों घंटे संचालन के लिए उन्नत 'एयरफील्ड लाइटिंग' भी मौजूद है। हवाई अड्डे में एक मजबूत मालवाहक प्रणाली भी शामिल है।

इसमें एक 'मल्टी-मोडल कार्गो हब' होगा जिसमें एकीकृत मालवाहन टर्मिनल एवं लॉजिस्टिक क्षेत्र शामिल होंगे। माल ढुलाई सुविधा को प्रतिवर्ष 2.5 लाख टन से अधिक माल संभालने के लिए तैयार किया गया है जिसे बढ़ाकर 18 लाख टन तक किया जा सकता है। इसमें 40 एकड़ में फैली रखरखाव, मरम्मत व जीर्णोद्धार (एमआरओ) सुविधा शामिल है। बयान में कहा गया कि सतत एवं भविष्य के अनुकूल अवसंरचना परियोजना के रूप में तैयार किया गया नोएडा हवाई अड्डे में ऊर्जा दक्ष प्रणालियों एवं पर्यावरण अनुकूल गतिविधियों को शामिल किया गया है।

बजट 2026-27 पर संसद की मुहर

नई दिल्ली। संसद ने शुक्रवार को वित्त विधेयक 2026-27 को अपनी मंजूरी दे दी। राज्यसभा ने ध्वनिमत से इसे लोकसभा को वापस भेज दिया, जिससे एक अप्रैल से शुरू होने वाले अगले वित्त वर्ष 2026-27 के लिए बजट की प्रक्रिया पूरी हो गई।

लोकसभा ने 25 मार्च को 32 संशोधनों के साथ इस विधेयक को पारित किया था। इसके साथ ही राज्यसभा की कार्यवाही 30 मार्च को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी राज्यसभा ने संक्षिप्त चर्चा के बाद वित्त विधेयक को लोकसभा को वापस भेज दिया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों के जवाब दिए। इसके साथ ही संसद से केंद्रीय बजट 2026-27 को मंजूरी मिल गई। इससे पहले सीतारमण ने राज्यसभा में विनियोग (2) विधेयक, 2026 और वित्त विधेयक, 2026 पर चर्चा का संयुक्त जवाब दिया। इसके बाद सदन ने केंद्रीय बजट 2026-27 को अपनी मंजूरी दे दी है। राज्यसभा में दोनों विधेयक पर चर्चा का संयुक्त जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि एक वर्ष (2025) में

राजस्व विभाग ने आयकर अधिनियम, 1961 में सुधार किए, और एक नई आयकर प्रणाली शुरू की है, जो अधिक सरल और जिसका पालन करना आसान है।

उन्होंने पश्चिम एशिया संकट पर कहा कि सरकार सक्रिय है और बदलती स्थिति पर नजर रख रही है। सीतारमण ने कहा कि पश्चिम एशिया युद्ध के कारण कई देशों में स्थिति खराब है। भारत में हम इससे अच्छी तरह से निपट रहे हैं। वित्त मंत्री ने राज्यसभा में बताया कि देश में लॉकडाउन की कोई गुंजाइश नहीं है, नेताओं को अफवाहें नहीं फैलाना चाहिए। हम सतर्क रहेंगे। राजकोष का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करेंगे। पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता के बावजूद डीजल और पेट्रोल की कीमतें अपरिवर्तित हैं। वित्त मंत्री ने सदन में चर्चा के दौरान कहा कि पेंशन प्रशासन प्रणाली (स्पर्श) यह सुनिश्चित करता है कि निधि ठीक समय पर सीधे खातों में ट्रांसफर हो जाएं। पैसा तभी जारी किया जाता है जब राज्य सरकारें भी अपना हिस्सा देती हैं, जिससे यह पक्का होता है कि दोनों ही बिना किसी देरी के जमीनी स्तर तक पहुंचें। उन्होंने बताया कि एक बार उपयोग प्रमाण पत्र मिल जाने के बाद, अगली किस्त जारी कर दी जाती है और यह चक्र चलता रहता है।

ट्राला में पीछे से घुसी पिकअप, आठ की मौत

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी जिले में शुक्रवार दोपहर बाद कानपुर-प्रयागराज हाइवे पर श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप वाहन पीछे से ट्राले में घुस जाने से आठ यात्रियों की मौत हो गई है। इसके अलावा बीस लोग घायल हुए हैं।

जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस और जिला प्रशासन अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इस संबंध में सिराथू सामुदायिक केंद्र पर कौशाम्बी के पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि एक पिकअप वाहन में एक परिवार कुछअन्य लोगों के साथ प्रयागराज में किसी बच्चे का मुंडन करा कर पिकअप वाहन से लौट रहा था।

तभी डोरमा गांव में पेट्रोल पंप के पास सड़क पर आगे जा रहे एक ट्राला में उनका पिकअप वाहन घुस गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। इस हादसे में आठ लोगों की मौत हुई है, जिनमें पांच महिलाएं और तीन बच्चे हैं।

केंद्र ने पेट्रोल-डीजल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 10 रुपये प्रति लीटर घटाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के बीच बीच आम जनता को राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 10 रुपये प्रति लीटर घटा दिया है। सरकार ने पेट्रोल पर इसको 13 रुपये प्रति लीटर से घटाकर अब 3 रुपये प्रति लीटर कर दिया है, जबकि डीजल पर इसको 10 रुपये प्रति लीटर से घटाकर शून्य (0) कर दिया है। नई दरें शुक्रवार से लागू हो गई हैं। वित्त मंत्रालय की आज जारी अधिसूचना के अनुसार पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क 13 रुपये प्रति लीटर से घटाकर तीन रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है जबकि डीजल पर यह शुल्क पहले के 10 रुपये से घटाकर शून्य कर दिया गया है। अधिसूचना के अनुसार, सरकार के इस कदम से पेट्रोल- डीजल की कीमतें कम होने की उम्मीद है। इसके अलावा सरकार ने विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) के लिए एक नया लेवी ढांचा पेश किया है।

ईरान ने रियाद की ओर 6 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

रियाद। पश्चिम एशिया में पिछले चार हफ्तों से जारी युद्ध के बीच ईरान की ओर से दागीं गई छह बैलिस्टिक मिसाइलों में से दो को सऊदी अरब ने हवा में ही नष्ट कर दिया। इसके अलावा चार अन्य मिसाइलें समुद्र तट के पास या खाली इलाकों में गिरीं। रियाद और उसके आसपास कम से कम छह ड्रोन भी मार गिराए गए। इन ड्रोन को रोकते समय उनका मलबा एक सैन्य ठिकाने के पास गिरा, लेकिन किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

जोजिला दर्रे में हिमस्खलन से यात्री वाहन दबा, 7 की मौत

श्रीनगर। लद्दाख क्षेत्र के जोजिला दर्रे पर शुक्रवार को हुए भीषण हिमस्खलन में बड़ा हादसा हो गया।

एक यात्री वाहन हिमस्खलन की चपेट में आकर बर्फ में दब गया, जिससे कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए हैं। वाहन अचानक आए भारी हिमस्खलन के कारण पूरी तरह बर्फ के नीचे दब गया। घटना के तुरंत बाद राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू अभियान शुरू किया।

'जग वसंत' जहाज एलपीजी लेकर सुरक्षित पहुंचा गुजरात के कांडला पोर्ट

कच्छ। मध्य-पूर्व में चल रहे तनाव और 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' के समुद्री मार्ग पर बढ़े खतरों के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है।भारत का 'जग वसंत' जहाज एलपीजी लेकर शुक्रवार को सुरक्षित गुजरात के कंडला पोर्ट पहुंच गया।

वैश्विक स्तर पर ईंधन सप्लाई प्रभावित होने की आशंका के बीच 'जग वसंत' नाम का विशाल एलपीजी कार्गो जहाज आज सुरक्षित रूप से गुजरात के कंडला बंदरगाह पर पहुंचा। इस 'जग वसंत' जहाज में लगभग 42,000 से 46,000 मीट्रिक टन लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लेकर भारत आया है। होर्मुज की खाड़ी में बढ़े सैन्य तनाव के बीच इस जहाज का सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुंचना केवल तकनीकी ही नहीं बल्कि भारत की रणनीतिक रूप से भी बड़ी सफलता मानी जा रही है। जैसे ही यह जहाज

कांडला बंदरगाह पर पहुंचा, तो उससे गैस उतारने की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर ली गई।

अधिकारियों के अनुसार, समुद्र में ही छोटे जहाजों में एलपीजी ट्रांसफर करने का काम तेजी से शुरू किया जाएगा, ताकि गैस को विभिन्न बॉटलिंग प्लांट्स तक जल्द से जल्द पहुंचाया जा सके। पिछले कुछ समय से एलपीजी और पेट्रोल-डीजल की कमी को लेकर लोगों में चिंता और अफवाहें फैल रही थीं।

ऐसे समय में इतना बड़ा स्टॉक देश में पहुंचने से बाजार में स्थिरता आएगी और लोगों का भरोसा बढ़ेगा। सरकार की ओर से भी बार-बार आश्वासन दिया जा रहा है कि देश में पर्याप्त ईंधन स्टॉक उपलब्ध है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन को लेकर यातायात पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

यमुना और नोएडा एक्सप्रेसवे पर 16 घंटे बंद रहेगी मालवाहकों की आवाजाही

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन को लेकर यातायात पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर दी है। शनिवार को नोएडा एक्सप्रेसवे के साथ यमुना एक्सप्रेसवे के साथ एयरपोर्ट के आसपास की सड़कों पर मालवाहक वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद रहेगी। सुबह 7 बजे से रात 11 बजे तक यह रोक लागू रहेगी। इसके साथ ही एयरपोर्ट के उद्घाटन समारोह में आने वाले लोगों के लिए भी अलग व्यवस्था की गई है। यातायात पुलिस ने लोगों से डायवर्जन का पालन करने की अपील की है। यातायात पुलिस के अफसरों ने बताया कि नोएडा एक्सप्रेसवे से एयरपोर्ट आने वाले लोगों को गलगोटिया कट से उतरना होगा।

वहां से एक्सपो मार्ट गोल चक्कर से यू-टर्न लेने के बाद एनएसजी गोल चक्कर से होकर यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे 60 मीटर रोड गलगोटिया यूनिर्वसिटी की तरफ भेजा जाएगा। फलैदा कट से नगला कंचन तिराहा से बाएं टर्न लेकर दयानतपुर इंटरचेंज के नीचे से रनहेरा पुलिस चौकी पहुचेंगे। वहां चौकी के सामने अस्थायी गेट से प्रवेश दिया जाएगा। वहीं ग्रेनो वेस्ट और सूरजपुर की तरफ से परी चौक आने वाले वाहनों को पी-3 गोल चक्कर से होंडा चौक भेजा जाएगा। होंडा चौक से दाएं मुड़कर पुस्ता तिराहा से होकर वाहनों को गलगोटिया यूनिर्वसिटी की तरफ भेजा जाएगा। 60 मीटर रोड से होकर वाहन फलैदा कट नगला कंचन तिराहे से बाएं मुड़कर दयानतपुर इंटरचेंज के नीचे से पुलिस चौकी के सामने बने अस्थायी गेट से प्रवेश करेंगे। अफसरों ने बताया कि दनकौर, रोनीजा, रबूपुरा की तरफ से आने वाले वाहन दनकौर रबूपुरा सर्विस मार्ग होकर फलैदा कट से बाएं तिरथली चौराहा पहुंचेंगे। वहां से दाएं मुड़कर दयानतपुर इंटरचेंज के नीचे से होकर नहर की पटरी पर पहुंचेंगे और फिर सिवारा की पुलिया से बाएं तरफ अस्थायी गेट से प्रवेश कर सकेंगे। उधर जेवर कस्बा की तरफ से आने वाले वाहनों को साबौता अंडरपास से किशोरपुर गेट से प्रवेश दिया जाएगा।

इन मार्ग से आ सकते है आसपास व अन्य जिलों के लोग

▸▸ मेरठ व गाजियाबाद से आने वाले वाहन ईस्टर्न पेरिफेरल होकर सिरसा टोल से नीचे उतरकर सिरसा गोलचक्कर से डाढ़ा गोलचक्कर पहुंचेंगे। वहां से सुपरटेक गोलचक्कर से नट मढ़ैया गोलचक्कर से होंडा सीएल चौक से होकर पुस्ता तिराहा (एटीएस) पहुंचेंगे। फिर वहां से बाएं टर्न लेकर गलगोटिया यूनिवर्सिटी से सामने से डबल सर्विस रोड होकर फलैदा (खूपुरा) कट से नगला कंचन तिराहा पहुंचेंगे। वहां से बाएं टर्न कर दयानतपुर होकर दयानतपुर इंटरचेंज के नीचे रनेहरा पुलिस चौकी के सामने बने अस्थायी गेट से प्रवेश कर निर्धारित सामान्य पार्किंग पी-07 मेरठ और पी-6 गाजियाबाद पर पहुंच सकेंगे।

▸▸ मथुरा व अलीगढ़ से यमुना एक्सप्रेसवे होकर आने वाले वाहन जेवर टोल पार करने के बाद जेवर कट से उतरकर दाहिने मुड़कर सबौता अंडरपास से किशोरपुर गेट से प्रवेश कर एयरपोर्ट परिसर में निर्धारित सामान्य पार्किंग पर पहुंच सकेंगे।

▸▸ हापुड़, बुलंदशहर, गभाना, खुर्जा, जहांगीरपुर, बंकापुर की तरफ से आने वाले वाहन जेवर खुर्जा मार्ग पर ग्राम थोरा से पहले दाहिने मुड़कर पारोही गेट से एयरपोर्ट परिसर में प्रवेश कर टाटा बीचिंग प्लांट के सामने दाएं तरफ निर्धारित सामान्य पार्किंग पहुंचेंगे।

वीआईपी, मीडिया व अफसरों को दो जगह से प्रवेश

जिले के विभिन्न स्थानों से एयरपोर्ट आने वाले वीवीआईपी, वीआईपी यमुना एक्सप्रेसवे से होकर एयरपोर्ट के इंटरचेंज पर उतरेंगे। वहां से निर्धारित पार्किंग पर वाहनों को खड़ा किया जाएगा। पार्किंग से शटल सेवा से कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाया जाएगा। वहीं मीडिया के वाहन किशोरपुर गेट से प्रवेश कर पार्किंग तक पहुंचेंगे। पुलिस व प्रशासनिक और अन्य विभाग के कर्मचारी व अधिकारी भी इसी गेट से प्रवेश करेंगे। वहीं प्रशासनिक बस दयानतपुर मार्ग से होकर एयरपोर्ट परिसर में निर्धारित पार्किंग तक जाएंगी।

मालवाहक वाहनों का डायवर्जन

जेवर टप्पल मार्ग पर गोपालगढ़ की तरफ से जेवर आने वाले कॉमर्शियल वाहनों को वापस टप्पल की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। जो टप्पल व पलवल होकर अपने गंतव्य की ओर ज सकेंगे। कस्बा खुर्जा से जेवर कस्बा की तरफ आने वाले कॉमर्शियल वाहनों को कस्बा खुर्जा से ही डायवर्ट किया जाएगा। सिकंदराबाद व ककोड़ से जेवर आने वाले कॉमर्शियल वाहनों को कस्बा चचुरा नहर पुल से खेरली की तरफ डायवर्ट भेजा जाएगा। आगरा से से आने वाले यातायात को जेवर टोल से पहले बने यू-टर्न से आगरा की तरफ डायवर्ट किया जाएगा।

वो वाहन अलीगढ़ टप्पल होकर अपने गंतव्य जा सकेंगे। वहीं नोएडा व ग्रेटर नोएडा से यमुना एक्सप्रेसवे का प्रयोग कर आगरा जाने वाले वाहन परी चौक से अल्फा कॉमर्शियल गोलचक्कर होकर मेट्रो डिपो से गोलचक्कर से 130 मीटर रोड पर पहुंचकर सिरसा गोलचक्कर से ईस्टर्न पेरिफेरल से होकर गंतव्य तक जा सकेंगे। उधर मेरठ, हापुड़, गाजियाबाद से ईस्टर्न पेरिफेरल से यमुना एक्सप्रेस-वे का प्रयोग कर आगरा, मथुरा, लखनऊ व अन्य जगह जाने के लिए ईस्टर्न पेरिफेरल के बील अकबरपुर से उतरकर एनएच-91 का प्रयोग कर गन्तव्य को जा सकेगे। पलवल से ईस्टर्न पेरिफेरल होकर नोएडा एक्सप्रेसवे होकर अन्य स्थानों पर जाने वाले वाहनों का सिरसा लूप से उतरने नहीं दिया जाएगा। एनएच-24 व 91, ईस्टर्न पेरिफेरल पर नो एंट्री के नियम के साथ आवागमन सामान्य रहेगा।

उद्घाटन से पहले पीएम मोदी ने साझा की नोएडा एयरपोर्ट की झलक

ग्रेटर नोएडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा की तस्वीरें उद्घाटन से एक दिन पहले साझा कीं। उन्होंने इसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की कनेक्टिविटी को मजबूत करने वाली महत्वपूर्ण परियोजना बताया। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन 28 मार्च को किया जाएगा, जिससे क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी। यह परियोजना उत्तर प्रदेश की प्रमुख अवसंरचनात्मक योजनाओं में शामिल है और इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री 28 मार्च को सुबह निर्धारित समय पर जेवर पहुंचेंगे और उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं तथा बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि उद्घाटन के बाद उड़ानों का संचालन शुरू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। टिकट बुकिंग उड़ान शुरू होने से लगभग 15 से 20 दिन पहले प्रारंभ होगी और अप्रैल के मध्य से व्यावसायिक उड़ानों के संचालन की योजना है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए भी विमानन कंपनियों से बातचीत जारी है, जिससे भविष्य में इस हवाई अड्डे से विदेश यात्रा की सुविधा भी उपलब्ध हो सकेगी। यह हवाई अड्डा क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा देगा।

विशाल मेगा मार्ट में लगी आग, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं

नोएडा। थाना सेक्टर 49 क्षेत्र के सेक्टर 76 मेट्रो स्टेशन के पास स्थित विशाल मेगा मार्ट में शुक्रवार भोर 4:30 बजे के करीब अज्ञात कारण से आग लग गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची दमकल विभाग की 15 गाड़ियों ने करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि शुक्रवार 4:30 बजे के करीब फायर ब्रिगेड को सूचना मिली कि सेक्टर 76 मेट्रो स्टेशन के पास स्थित विशाल मेगा मार्ट के शोरूम में आग लग गई है। आग भूतल से द्वितीय तल फैल गई। घटना की सूचना पर दमकल विभाग की 15 गाड़ियां मौके पर पहुंची। करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। उन्होंने बताया कि घटना के समय माल बंद था। वहां पर सिक्योरिटी गार्ड तैनात थे, जिसकी वजह कोई जनहानि नहीं हुई है। माल बिल्कुल मेट्रो स्टेशन से सटा हुआ है और वहां से नोएडा एक्सप्रेसवे को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग गुजरता है। काफी देर तक वाहन चालकों को वहां से गुजरने में परेशानी हुई। मुख्य दमकल अधिकारी ने बताया कि आग के कारण और आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

नोएडा एयरपोर्ट से निकलने पर भी कम नहीं होगी रफ्तार, जेवर में प्रस्तावित मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी

ग्रेटर नोएडा। नोएडा एयरपोर्ट से निकलने के बाद भी यात्रियों को तेज गति से अपने गंतव्य तक पहुंचाया जा सकेगा। इसके लिए चोला रेलवे स्टेशन के री-डेवलपमेंट की योजना है। शुरुआत में यहां से चार वंदे भारत ट्रेनों को लिंक किया जाना है। अन्य तेज गति वाली ट्रेनों के लिए भी यह स्टॉपज बनेगा।

यमुना प्राधिकरण, यूपी सरकार और भारतीय रेलवे की संयुक्त योजना के मुताबिक नजदीक में रूंधी और चोला रेलवे स्टेशन को चिह्नित किया गया है। रूंधी दिल्ली-मुंबई रूट पर मौजूद है। चोला के साथ निकट भविष्य में रूंधी के री डेवलपमेंट पर भी काम शुरू हो सकता है। योजना यह है कि जेवर क्षेत्र के अलावा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक पहुंचने के लिए मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी पर काम हो। इसके लिए 300 करोड़ रुपये का बजट भी पिछले सप्ताह यमुना प्राधिकरण ने बोर्ड से मंजूर कराया है। इस बजट का उपयोग रेल कनेक्टिविटी बेहतर करने के लिए जरूरी खर्च पर किया जाएगा। रेलवे की ओर से जल्द ही इस परियोजना पर काम शुरू हो जाएगा। जरूरी सर्वे इसके लिए हो चुका है।

28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों नोएडा एयरपोर्ट के लोकार्पण के प्रस्तावित होने के बाद रेल कनेक्टिविटी दिए जाने की योजना में भी तेजी आई है। अधिकारियों के मुताबिक चोला और रूंधी को आपस में लिंक करने के लिए 61 किलोमीटर लंबा नया ट्रैक बिछाया जाना है। माल ढुलाई हो सके, इसके लिए जेवर में एक स्टेशन विकसित कर रेलवे लाइन भी बिछाए जाने का काम होना है। यह लाइन दादरी के पास डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर से भी लिंक रहेगी। इस पूरी परियोजना पर लगभग 2,400 करोड़ का खर्च आने का अनुमान है। इसे पूरा होने में करीब तीन साल लगेंगे।

एयरपोर्ट के पास बनेगा ग्राउंड ट्रांसपोर्टेशन सेंटर

यमुना प्राधिकरण एयरपोर्ट के पास एक ग्राउंड ट्रांसपोर्टेशन सेंटर बनाया जाना है। यहां माल ढुलाई के लिए रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित होगा। सराय काले खां से नोएडा एयरपोर्ट को जोड़ने वाली रैपिड मेट्रो का प्रस्तावित भूमिगत स्टेशन भी यहीं बनाए जाने की योजना है। इससे यात्री सीधे दिल्ली और सराय काले खां रेलवे स्टेशन पर पहुंच सकेंगे। रैपिड मेट्रो ग्रेटर नोएडा और नोएडा से भी एयरपोर्ट को जोड़ेगी।

> नोएडा एयरपोर्ट आने वाले समय में रेल, रैपिड मेट्रो, बुलेट ट्रेन के अलावा कई एक्सप्रेसवे से सीधे जुड़ेगा। यमुना सिटी की मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी की योजना में यह शामिल है। इस पर तेजी से काम चालू है।
>
> *- राकेश कुमार सिंह, सीईओ, यीडा*

जेवर में प्रस्तावित मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी

- ▸▸ नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट
- ▸▸ रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम, नोएडा एयरपोर्ट भूमिगत स्टेशन
- ▸▸ दिल्ली से वाराणसी के लिए बुलेट ट्रेन रूट पर नोएडा एयरपोर्ट स्टेशन
- ▸▸ दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का एयरपोर्ट के पास यमुना एक्सप्रेसवे का इंटरचेंज

चैत्र नवरात्रि पर विशेष अनुष्ठान और कन्या पूजन का हुआ आयोजन

नोएडा। आस्था, भक्ति और विश्वास के महापर्व चैत्र नवरात्र की महाअष्टमी बृहस्पतिवार को मनाई गई। सेक्टर 70 स्थित फर्स्ट वन रिहैब फाउंडेशन ने पहली बार माँ की चौकी के साथ कंजक सम्मान समारोह का आयोजन किया, जिसमें कन्याओं को श्रद्धापूर्वक भोजन कराया गया तथा भेंटस्वरूप वस्त्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया, फाउंडेशन ने इस पहल को समाज में समानता और समावेश की भावना की सशक्त अभिव्यक्ति बताते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति समान सम्मान का अधिकारी है, इस अवसर पर डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव, डॉ. महिपाल सिंह, डॉ. सुष्मिता भाटी, डॉ. भावना आनंद, कृष्णा यादव, इलिका रावत, अभिनव प्रताप सिंह और सुरभी जैन सहित सभी प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने इसे भेदभाव-रहित समाज की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम बताते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को जारी रखने का संकल्प लिया।

सोसाइटी में कन्या पूजन के बाद घर जा रही बच्चियां लिफ्ट में फंसी, वीडियो वायरल

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सोसायटियों में लोगों के लिफ्ट में फंसने की घटनाओं में कोई कमी नहीं आ रही है। ताजा मामला शुक्रवार को ग्रेनो वेस्ट हिमालय प्राइड सोसाइटी का सामने आया है। इस घटना की एक वीडियो सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर वायरल हो रही है। बताया जा रहा है कि नवमी पर कन्या पूजन के बाद घर जा रही कुछ छोटी बच्चियां व महिलाएं लिफ्ट में फंस गई।

आरोप है कि लिफ्ट में बच्चियां करीब एक घंटे तक फंसी रहीं। लिफ्ट में फंस जाने के कारण बच्चियां काफी डर गईं। बच्चियों का कहना है कि सभी ने शोर भी मचाया, लेकिन समय पर कोई मदद नहीं कर सका। नोएडा एक्सटेंशन की हिमालया प्राइड सोसाइटी के निवासियों ने बताया कि शुक्रवार को सोसायटी के ए टावर में एक लिफ्ट चल रही है। सुबह छोटे-छोटे बच्चे लिफ्ट में सवार होकर कन्या

पूजन के बाद अपने घर के लिए जा रहे थे। इसी बीच लिफ्ट अचानक रूक गई। लिफ्ट रुकते ही अंदर फंसे बच्चों में घबराहट फैल गई। लिफ्ट के अंदर फंसे छोटे बच्चे और महिलाएं मदद के लिए चिल्लाने लगे। आरोप है कि सुरक्षाकर्मी और मेंटेनेंस कर्मचारियों ने उनकी आवाज नहीं सुनी।

लिफ्ट में फंसे लोगों ने बताया कि अलार्म बटन दबाने के बावजूद काफी देर तक कोई सहायता नहीं मिली। इस दौरान लिफ्ट के अंदर फंसे लोगों को सोसाइटी के अन्य निवासियों ने जब लिफ्ट के अंदर से आ रही आवाजें सुनीं, तो मौके पर भीड़ जमा हो गई। सभी फंसे हुए लोगों को निकालने की कोशिश करने लगे, लेकिन लिफ्ट पूरी तरह जाम हो चुकी थी।

कड़ी मशक्कत के बाद मेंटेनेंस कर्मचारियों और लिफ्ट स्टाफ ने लिफ्ट को खोलकर सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। समय पर मदद न मिलने से बच्चों में दहशत का माहौल है। वहीं निवासियों ने सोसाइटी में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल किया है। घटना के बाद से निवासियों में आक्रोश है। इस घटना की एक वीडियो सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर वायरल हो रही है।

जेवर एयरपोर्ट जनसभा के लिए 2500 बसों की निगरानी को कंट्रोल रूम सक्रिय

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन को लेकर प्रशासन ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम से पहले जनसभा में आने वाले लोगों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए कलेक्ट्रेट में विशेष कंट्रोल रूम सक्रिय कर दिया गया है। प्रशासन के अनुसार, जनसभा में विभिन्न जनपदों से आने वाली करीब 2500 बसों की निगरानी के लिए छह से सात टीमें गठित की गई हैं। प्रत्येक टीम में 10 से 12 कर्मियों को तैनात किया गया है, जिन्हें लगभग 100-100 बसों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये टीमें बस चालकों से लगातार संपर्क में रहकर उनकी लोकेशन की जानकारी लेंगी और उन्हें सभा स्थल तक पहुंचने के निर्देश देंगी।

कंट्रोल रूम के माध्यम से बसों की लाइव लोकेशन पर नजर रखी जाएगी, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचा जा सके। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जनसभा में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बसों में आने वाले यात्रियों के लिए भोजन और पानी की व्यवस्था की भी जानकारी ली जाएगी। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, कंट्रोल रूम में तैनात कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है, जिसमें संवाद के दौरान शिष्ट व्यवहार बनाए रखने और समय पर सूचनाएं साझा करने पर जोर दिया गया है। किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। जनसभा में गौतमबुद्ध नगर के अलावा बुलंदशहर, अलीगढ़, हाथरस, एटा, मथुरा और आगरा सहित कई जिलों से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है। इसके अलावा दिल्ली, लखनऊ, कानपुर, इटावा, सैफई और मैनपुरी जैसे क्षेत्रों से भी बसों का आगमन होगा। उधर, एयरपोर्ट उद्घाटन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है। पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में लेते हुए भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। जनसभा स्थल तक पहुंचने के लिए प्रमुख मार्गों पर दिशा सूचक संकेत लगाए गए हैं, ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो।

गौरतलब है कि वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही इस एयरपोर्ट का शिलान्यास किया था और अब 28 मार्च को इसके उद्घाटन के साथ यह परियोजना एक नई उड़ान भरने जा रही है। प्रशासन का दावा है कि सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित करने के लिए पूरी तैयारियां कर ली गई हैं।

जिला अस्पताल की चार चिकित्सा टीमें तैनात रहेंगी

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन के दौरान जिला अस्पताल की चार टीमें मौके पर तैनात रहेंगी। अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय राणा ने कहा कि प्रत्येक टीम में तीन चिकित्सा विशेषज्ञ, एक फार्मासिस्ट, एक लैब टैक्नीशियन और एक वार्ड ब्वॉय होगा। तीन टीमें सुबह, दोपहर और शाम को ड्यूटी करेंगी। इसके अलावा एक अन्य टीम खाद्य पदार्थों की जांच के लिए तैनात की जाएगी। उन्होंने कहा कि एंबुलेंस में जीवन रक्षक दवाएं समेत अन्य इमरजेंसी उपकरण उपलब्ध होंगे।

किसानों को उजाड़कर भाजपा ने किया विकास का दावा: कांग्रेस

नोएडा। केंद्र की मोदी सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की विफलताओं तथा नोएडा एयरपोर्ट के असली सृजक स्थानीय किसानों को उजाड़कर विकास के असफल दावों की जानकारी देने के लिए गौतमबुद्ध नगर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब में एक पत्रकार वार्ता आयोजित की गयी।

पत्रकार वार्ता में जिलाध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने केंद्र की मोदी सरकार एवं प्रदेश की योगी सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सरकार पूरी तरह से जनविरोधी नीतियों पर कार्य कर रही हैं और आम जनता, विशेषकर किसानों एवं स्थानीय निवासियों की समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री महीने में कई बार गौतमबुद्ध नगर का दौरा करते हैं, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि वे कभी भी किसानों से मिलने या उनकी समस्याओं को सुनने का समय नहीं निकालते। आंदोलन करने वाले किसानों एवं कार्यकर्ताओं को लखनऊ बुलाकर दबाव बनाने और डराने का प्रयास किया जाता है, जबकि किसानों का शोषण करने वाले अधिकारियों को खुला संरक्षण दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को मुख्यमंत्री के दौरे से पहले ही घरों में नजरबंद कर दिया जाता है, जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन के लिए आ रहे दोनों नेताओं से 28 मार्च को जिला कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल मिलकर किसानों के साथ न्याय की मांग करेगा। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि औद्योगिक शहर होने के बावजूद स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा एवं यमुना प्राधिकरणों में मनमानी नीतियां एवं भ्रष्टाचार चरम पर है। गांवों में आज भी सीवर, सड़क एवं पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। पत्रकार वार्ता में दुष्यंत नागर, मुकेश शर्मा, नीरज लोहिया, नीरज लोहिया, दुष्यंत नागर, गौतम सिंह, आरके प्रथम, देवेश चौधरी, पुनीत मावी, सुबोध भट्ट, रमेश वाल्मीकि, सचिन जीनवाल, अमित कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

देश का पहला ईको-फ्रेंडली नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, 133 हेक्टेयर हरित क्षेत्र विकसित

ग्रेटर नोएडा। जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश का पहला पूर्णतः पर्यावरण अनुकूल हवाई अड्डा बनने जा रहा है। एयरपोर्ट परिसर में 133 हेक्टेयर क्षेत्र में हरित क्षेत्र विकसित किया गया है, जिससे यहां आने वाले यात्रियों को स्वच्छ और प्राकृतिक वातावरण का अनुभव मिलेगा। यह एयरपोर्ट कुल 5428 हेक्टेयर क्षेत्र में चार चरणों में विकसित किया जा रहा है।

पहले चरण में 1334 हेक्टेयर भूमि पर निर्माण कार्य किया गया है। इसे भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है, ताकि बढ़ती जनसंख्या और औद्योगिक विस्तार के साथ इसकी उपयोगिता बनी रहे। निर्माण के दौरान पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया है। परिसर में मौजूद लगभग 600 पेड़ों को काटने के बजाय सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया और उन्हें विकसित हरित क्षेत्र में पुनः लगाया गया। इसके अलावा, भूजल स्तर को बनाए रखने के लिए एयरपोर्ट में वर्षा जल संचयन प्रणाली और प्राकृतिक तालाब भी विकसित किए गए हैं। ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए एयरपोर्ट में नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग किया जाएगा। सौर और पवन ऊर्जा के माध्यम से बिजली उत्पादन की व्यवस्था की गई है, जिससे कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलेगी। अनुमान है कि एयरपोर्ट की लगभग आधी ऊर्जा जरूरत नवीकरणीय स्रोतों से पूरी की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, एयरपोर्ट के संचालन के साथ-साथ बिजली आपूर्ति को भी चरणबद्ध तरीके से बढ़ाया जाएगा। वर्तमान में सीमित क्षमता से आपूर्ति की जा रही है, जिसे आने वाले वर्षों में बढ़ाकर 93 मेगावाट तक किया जाएगा, ताकि बढ़ती उड़ानों और यात्री संख्या की जरूरतों को पूरा किया जा सके। इसके साथ ही एयरपोर्ट की बेहतर कनेक्टिविटी के लिए परिवहन विभाग भी सक्रिय है।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट से एयरपोर्ट तक डबल डेकर बसें चलाने की योजना बनाई जा रही है, जिससे यात्रियों को सुविधाजनक आवागमन मिल सके। विशेषज्ञों का मानना है कि यह एयरपोर्ट न केवल विमानन क्षेत्र में नई ऊंचाइयां स्थापित करेगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में भी एक मिसाल बनेगा।

ऑटो चालक की मौत के मामले में केस दर्ज

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में सड़क हादसे में हुई ऑटो चालक की मौत के मामले में पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया है। करीब छह महीने पहले अज्ञात वाहन ने ऑटो में टक्कर मारी थी। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से इटावा निवासीस नेहा ने बताया कि वह अपने पति बालिस्टर के साथ चोटपुर कॉलोनी में रहती थी। लखनावली मोड़ पर अज्ञात वाहन ने 15 सितंबर की रात बालिस्टर के ऑटो में टक्कर मार दी थी।

हादसे में घायल ऑटो चालक को पहले नजदीक के अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। इसके बाद इटावा के एक अस्पताल रेफर किया गया। हालत बिगड़ने पर इटावा से सैफई ले जाते समय रास्ते में 18 सितंबर को ऑटो चालक बालिस्टर की मौत हो गई थी। पीड़िता ने बताया कि पति की मौत के बाद वह आरोपी अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने थाने पहुंची थी, लेकिन पुलिस ने अधिक समय बीत जाने के चलते मुकदमा दर्ज नहीं किया।

मजबूरन पीड़िता को कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। अब न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली प्रभारी का कहना कि मामले की जांच की जा रही है। जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली विधानसभा में जल बोर्ड की सीएजी रिपोर्ट पेश

जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने बोरवेल कनेक्शन के लिए नई नीति लाने की भी घोषणा की

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन शुक्रवार को सदन की कार्यवाही शुरू हुई। सत्र के दौरान दिल्ली जल बोर्ड से जुड़ी नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट पेश की गई। सदन में जल बोर्ड से संबंधित कैग रिपोर्ट पेश किए जाने के बाद इस पर चर्चा की गई।

इस दौरान जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि बोरवेल कनेक्शन के लिए जल्द ही नई नीति लागू की जाएगी। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था के तहत घर में बोरवेल लगाने के लिए लोग आवेदन कर सकेंगे और उन्हें अनुमति दी जाएगी। इसके साथ ही ई-केवाईसी की योजना भी जल्द शुरू की जाएगी, जिससे प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाया जा सके। इसके बाद सदन में नियम 280 (विशेष उल्लेख) के तहत विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़ी समस्याएं उठाईं। इस दौरान ट्रैफिक जाम, प्रदूषण, अवैध पार्किंग, बेसहारा पशु, अवैध बोरवेल और अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड न चलने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

अधिकारियों की गैरमौजूदगी पर जताई नाराजगी

जंगपुरा से विधायक तरविंदर सिंह मारवाह ने कहा कि विधायक अपने क्षेत्र की समस्याएं उठा रहे थे, इस दौरान उन्होंने कहा कि अधिकारियों की गैलरी खाली पड़ी है और शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा।

अधिकारियों के रवैये पर भी उठे सवाल

तिमारपुर से विधायक सूर्य प्रकाश खत्री और जितेंद्र महाजन ने कहा कि कई विभागों से पूछे गए सवालों का जवाब समय पर नहीं मिलता है।

स्पीकर ने दी जानकारी

विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि विशेष उल्लेख के तहत उठाए गए सभी मुद्दे मुख्य सचिव के माध्यम से प्रशासन को भेजे जाएंगे और उनके समाधान की जानकारी संबंधित विधायकों को दी जाएगी। सदन में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के साथ ही सरकार से इन समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की गई।

दिल्ली का नाम 'इंद्रप्रस्थ' करने की मांग

वजीरपुर से भाजपा विधायक पूनम शर्मा ने दिल्ली का नाम बदलकर 'इंद्रप्रस्थ' करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजने की मांग की। उन्होंने कहा कि दिल्ली का इतिहास महाभारत काल से जुड़ा है और 'इंद्रप्रस्थ' नाम शहर की प्राचीन व सांस्कृतिक पहचान को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कई शहरों ने अपने ऐतिहासिक नाम वापस अपनाए हैं, जैसे इलाहाबाद का प्रयागराज और बॉम्बे का मुंबई। इसी तरह राष्ट्रीय राजधानी का नाम भी उसकी प्राचीन पहचान के अनुरूप होना चाहिए। पूनम शर्मा ने सुझाव दिया कि पुराना किला और अन्य ऐतिहासिक स्थलों पर पांडवों व महाभारत काल से जुड़े स्मारक और प्रतिमाएं स्थापित की जाएं, ताकि नई पीढ़ी अपने इतिहास से जुड़ सके।

विधायकों ने उठाए कई मुद्दे

- गजेंद्र सिंह यादव (महरौली) ने योगमाया मंदिर के सामने राजस्व विभाग की जमीन पर चल रही अवैध पार्किंग की जांच की मांग की।
- चंदन कुमार चौधरी (संगम विहार) ने कहा कि बत्रा, मैक्स और मजीठिया अस्पताल में आयुष्मान कार्ड नहीं चल रहा, जिससे गरीबों को इलाज नहीं मिल पा रहा।
- शिखा राय (ग्रेटर कैलाश) ने ऑटोमोबाइल वर्कशॉप को प्रदूषण का बड़ा कारण बताते हुए कार्रवाई की मांग की।
- रविंद्र सिंह नेगी (पटपड़गंज) ने बढ़ते ट्रैफिक जाम का मुद्दा उठाते हुए कहा कि कई बार एंबुलेंस भी जाम में फंस जाती हैं।
- राजकरण खत्री (नरेला) ने बस स्टैंड की खराब स्थिति सुधारने की मांग की।
- डॉ. अनिल गोयल ने सड़कों पर बेसहारा पशुओं से होने वाली दुर्घटनाओं पर चिंता जताई।
- मोहन सिंह बिष्ट (मुस्तफाबाद) ने ई-कबाड़ के अवैध गोदामों को जानमाल के लिए खतरा बताया।
- कुलवंत राणा (रिठाला) ने खराब वाहनों को हटाने के लिए सड़कों पर क्रेन की व्यवस्था करने की मांग की।
- नीलम पहलवान (नजफगढ़) ने डीटीसी के अनुबंधित कर्मचारियों की सेवाएं 31 मार्च से समाप्त करने के फैसले पर पुनर्विचार की मांग की।

पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती से जनता को बड़ी राहत, लॉजिस्टिक लागत पर लगेगा अंकुश: खंडेलवाल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने शुक्रवार को केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर विशेष उत्पाद शुल्क में की गई महत्वपूर्ण कटौती का स्वागत किया है। उन्होंने इसे वैश्विक संकट के समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का देश की जनता के हित में लिया गया एक अत्यंत सराहनीय कदम बताया है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि के बीच प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी का यह निर्णय आम जनता को राहत देने तथा आर्थिक स्थिरता बनाए रखने की दिशा में एक ठोस और दूरदर्शी पहल है। खंडेलवाल ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल पर विशेष उत्पाद शुल्क को 13 रुपये से घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल पर 10 रुपये से घटाकर शून्य किया जाना न केवल उपभोक्ताओं के लिए राहतकारी कदम है, बल्कि इससे परिवहन एवं लॉजिस्टिक क्षेत्र को भी बड़ी मजबूती मिलेगी।

खंडेलवाल ने कहा कि इस निर्णय का सबसे बड़ा सकारात्मक प्रभाव लॉजिस्टिक लागत पर पड़ेगा। इस कटौती से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्थिरता आने से परिवहन खर्च में वृद्धि पर अंकुश लगेगा, जिससे वस्तुओं की ढुलाई लागत नियंत्रित रहेगी और बाजार में कीमतों के अनावश्यक बढ़ने पर रोक लगेगी। इसका सीधा लाभ देश के करोड़ों उपभोक्ताओं को मिलेगा, क्योंकि आवश्यक वस्तुओं की कीमतें संतुलित बनी रहेंगी। अंतरराष्ट्रीय संकट के इस दौर में सरकार के सामने यह चुनौती थी कि या तो खुदरा कीमतों में वृद्धि होने दी जाए या फिर स्वयं वित्तीय भार वहन किया जाए। खंडेलवाल ने कहा कि देश का व्यापारिक समुदाय इस निर्णय का पूर्ण समर्थन करता है और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि इस राहत का लाभ अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचे तथा किसी भी प्रकार से आपूर्ति श्रृंखला बाधित न हो। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कदम देश के आम नागरिकों को बड़ी राहत प्रदान करेगा तथा अर्थव्यवस्था को स्थिर और सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

रोहित चौधरी गैंग का सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच (NR-II) ने संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए रोहित चौधरी गैंग के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 3 सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, 1 देसी कट्टा और 22 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रदीप गुलाटी उर्फ पारस (34 वर्ष), निवासी कालकाजी, दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी अपने घर में गैंग के लिए अवैध हथियार छिपाकर रखता था, जिनका इस्तेमाल भविष्य में गंभीर अपराधों जैसे उगाही, फायरिंग और अपहरण में किया जाना था।पंकज कुमार क्राइम ब्रांच डीसीपी ने बताया कि हेड कांस्टेबल सुमित कुमार से मिली गुप्त सूचना के आधार पर इस ऑपरेशन को अंजाम दिया गया। एसीपी गिरीश कौशिक के निर्देशन और इंस्पेक्टर संदीप स्वामी के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह गैंग के मुख्य सदस्य अरविंद गुप्ता उर्फ डिसिल्वा का करीबी सहयोगी है। अरविंद ने ही उसे करीब एक महीने पहले ये हथियार सुरक्षित रखने के लिए दिए थे, ताकि भविष्य में गैंग इनका इस्तेमाल वारदातों में कर सके। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं 25/26/54/59 के तहत मामला दर्ज किया है।जांच में यह भी सामने आया है कि प्रदीप गुलाटी मूल रूप से जालंधर का रहने वाला है।

दिल्ली में किसानों का मुआवजा बढ़ाने की मांग तेज

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने संसद में दिल्ली के किसानों की मुआवजा राशि बढ़ाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2008 से निर्धारित मुआवजा दरों में अब तक कोई संशोधन नहीं हुआ है, जबकि भूमि के मूल्य में भारी वृद्धि हो चुकी है।

लोकसभा में शून्यकाल के दौरान बिधूड़ी ने मांग की कि किसानों को दी जाने वाली मुआवजा राशि 53 लाख रुपये प्रति एकड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये प्रति एकड़ की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली देहात से जुड़े कई महत्वपूर्ण मामले लंबे समय से लंबित हैं, जिन पर तत्काल निर्णय आवश्यक है। सांसद ने राजधानी की 69 ऐसी कॉलोनियों का भी मुद्दा उठाया, जिन्हें प्रधानमंत्री उदय योजना में शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने सैनिक फार्म और छतरपुर एक्सटेंशन जैसी कॉलोनियों को नियमित करने, लेआउट योजना तैयार करने और निवासियों को मालिकाना अधिकार देने की मांग की। उनका कहना था कि

इससे लाखों लोगों को राहत मिलेगी और वे नियमों के अनुसार निर्माण कर सकेंगे। इसके साथ ही बिधूड़ी ने जीडीए और लैंड पूलिंग नीति को शीघ्र लागू करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन नीतियों के अभाव में दिल्ली का नियोजित विकास बाधित हो रहा है और किसानों को उनकी जमीन का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जिन किसानों की भूमि अधिग्रहित की जाती है, उन्हें वैकल्पिक आवासीय भूखंड देने की योजना होने के बावजूद अभी तक लाभ नहीं मिल रहा है। बिधूड़ी ने मांग की कि डीडीए द्वारा किसानों को तत्काल वैकल्पिक भूखंड उपलब्ध कराए जाएं तथा भूमिहीनों को भी मालिकाना अधिकार दिए जाएं।

दिल्ली पुलिस फिर बनी नंबर-1, डिजिटल पुलिसिंग में देशभर में कायम किया दबदबा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक बार फिर देशभर में अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए CCTNS प्रगति डैशबोर्ड पर पहला स्थान हासिल किया है। तकनीक आधारित पुलिसिंग और डेटा प्रबंधन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते दिल्ली पुलिस लगातार शीर्ष पर बनी हुई है। इससे पहले भी दिल्ली पुलिस अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर 2025 में 100 प्रतिशत अंक हासिल कर चुकी थी। इसके बाद जनवरी 2026 में भी पहला स्थान बनाए रखा और अब फरवरी 2026 में भी नंबर-1 रहकर अपनी निरंतर उत्कृष्टता साबित की है। यह उपलब्धि 'नवीन न्याय संहिता' के प्रभावी क्रियान्वयन और CCTNS व ICJS जैसे राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म के बेहतर उपयोग का परिणाम है।गृह मंत्रालय और NCRB द्वारा मॉनिटर किए जाने वाले प्रगति डैशबोर्ड पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का मूल्यांकन डेटा की गुणवत्ता, समयबद्धता और सटीकता के आधार पर किया जाता है। इसमें पुलिस स्टेशनों की कनेक्टिविटी, डेटा डिजिटाइजेशन, FIR का इलेक्ट्रॉनिक सबमिशन और नागरिक सेवाओं जैसे 15 प्रमुख मानकों को शामिल किया जाता है। क्राइम ब्रांच की अहम भूमिका इस सफलता में क्राइम ब्रांच की CCTNS टीम का विशेष योगदान रहा, जिसने डेटा की गुणवत्ता बनाए रखने, जिलों के साथ समन्वय और तकनीकी समस्याओं के त्वरित समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दिल्ली के पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा ने इस उपलब्धि पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी।

गैस सिलेंडर मुद्दे पर एमसीडी सदन में हंगामा, कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की आम सभा की बैठक एक बार फिर भारी हंगामे की भेंट चढ़ गई। गैस सिलेंडर की कमी और बढ़ती कीमतों को लेकर विपक्षी पार्षदों के विरोध के कारण सदन की कार्यवाही बार-बार बाधित होती रही, जिससे महापौर को अंततः बैठक स्थगित करनी पड़ी।

बैठक के दौरान जैसे ही महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने एजेंडा पर चर्चा शुरू करने की बात कही, विपक्षी आम आदमी पार्टी के पार्षदों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। पार्षदों ने हाथों में प्रतीकात्मक गैस सिलेंडर लेकर नारेबाजी की और केंद्र सरकार व निगम प्रशासन पर आम जनता पर महंगाई का बोझ बढ़ाने का आरोप लगाया।

विपक्ष का कहना था कि रसोई गैस की बढ़ती कीमतों और कमी ने आम आदमी की रसोई को सीधे प्रभावित किया है, लेकिन इस गंभीर मुद्दे पर सरकार संवेदनशील नहीं है। पार्षदों ने मांग की कि जनता को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं और इस विषय पर सदन में विस्तृत चर्चा कराई जाए।

वहीं सत्ता पक्ष के पार्षदों ने इस विरोध को "राजनीतिक नाटक" बताते हुए कहा कि इस तरह का हंगामा सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाता है और जनहित के कार्यों में बाधा डालता है। उनका तर्क था कि निगम का मुख्य दायित्व स्थानीय समस्याओं जैसे सफाई, सड़क और स्वास्थ्य सेवाओं का समाधान करना है, न कि राष्ट्रीय मुद्दों पर विवाद करना।

लगातार हंगामे के कारण सदन में सफाई व्यवस्था, जलभराव, सड़कों की स्थिति और स्वास्थ्य सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा नहीं हो सकी। कई पार्षदों ने चिंता जताई कि इस तरह की राजनीतिक खींचतान से आम जनता के मुद्दे लगातार पीछे छूट रहे हैं। अंततः महापौर ने हंगामे के बीच ही एजेंडा पारित करते हुए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या जनप्रतिनिधि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर जनता की बुनियादी समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान देंगे या नहीं।

दिल्ली के कई हिस्सों में हल्की बारिश, आईएमडी ने जारी किया 'येलो अलर्ट'

नई दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार सुबह हल्की बारिश हुई और भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कई हिस्सों में दिन के समय हल्की बारिश, गरज के साथ फुहारें और तेज हवा चलने का पूर्वानुमान जताते हुए 'येलो अलर्ट' जारी किया है।

आईएमडी के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली के कुछ हिस्से, मध्य दिल्ली, शाहदरा, पूर्वी दिल्ली, उत्तरी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली और दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है और लोगों को मौसम की जानकारी लेते रहने की सलाह दी गई है। विभाग ने 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान भी जताया है।

आईएमडी अधिकारियों ने बताया कि मार्च में यह असामान्य मौसम उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर रहे पश्चिमी विक्षोभों की एक श्रृंखला से जुड़ा है। 15 मार्च से सक्रिय ये विक्षोभ इस बार सामान्य से कम ऊंचाई पर आगे बढ़ रहे हैं, जिसके

परिणामस्वरूप उनका प्रभाव भी गहरा हो गया है और यही वजह है कि दिल्ली के मौसम का मिजाज भी इन दिनों बदला-बदला सा है।

अधिकारियों के अनुसार, इसके प्रभाव से शहर के कुछ हिस्सों में दिन में तेज हवाएं चलने, हल्की बारिश होने और हल्की धूल भरी आंधी की संभावना है, हालांकि मौजूदा मौसम गतिविधियों का तापमान पर कोई खास असर पड़ने के आसार नहीं है। शुक्रवार सुबह शहर का न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 148 दर्ज किया गया, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है।

दिल्ली में इंडियन स्कूल्स कन्वेंशन, नई शिक्षा नीति रही केंद्र में

नई दिल्ली। राजधानी में आयोजित इंडियन स्कूल्स कन्वेंशन में नई शिक्षा नीति 2020 मुख्य चर्चा का विषय रही। सेंटर फॉर नमो स्टडीज़ द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित यह सम्मेलन स्वर्गीय पद्मभूषण रतन टाटा को समर्पित किया गया, जिसमें देशभर के शिक्षाविदों और संस्थानों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में असम के पूर्व राज्यपाल जगदीश मुखी ने मुख्य अतिथि के रूप में नई शिक्षा नीति को भारत की शिक्षा प्रणाली के लिए ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी कदम बताया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद पहली बार इतनी व्यापक शिक्षा नीति लागू की गई है, जिसके पूर्ण क्रियान्वयन से शिक्षा की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा।

मुख्य वक्ता इफ्तिखार अहमद ने नई शिक्षा नीति में निहित सामाजिक सद्भाव के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह नीति विविधता में एकता, आपसी समझ और साझा मूल्यों को मजबूत करने का मार्ग प्रशस्त करती है, जिससे समाज में शांति और समरसता को बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर पटना उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश इकबाल अहमद अंसारी ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को राष्ट्रीय विकास का आधार बताते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन ही वास्तविक शैक्षिक प्रगति सुनिश्चित कर सकता है।

उन्होंने इसे राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सौहार्द को सुदृढ़ करने का माध्यम भी बताया।

सेंटर फॉर नमो स्टडीज़ के सभापति जसीम मोहम्मद ने सम्मेलन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका मकसद देशभर के उन विद्यालयों को पहचान देना है जो गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और मूल्य आधारित शिक्षा को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने 'अध्ययन शिक्षा परियोजना' और 'अलीगढ़ साहित्य कला उत्सव' के शुभारंभ की जानकारी देते हुए बताया कि इन पहलों का लक्ष्य युवाओं को देश, रोजगार और संस्कृति से जोड़ना है।

कार्यक्रम में देवेंद्र ब्रह्मचारी ने भी अपने विचार रखते हुए ऐसे बौद्धिक मंचों को राष्ट्र निर्माण के लिए महत्वपूर्ण बताया। विशिष्ट अतिथियों में कथक कलाकार माया कुलश्रेष्ठ, डॉ. फरीद चुघतई और काशी हिंदू विश्वविद्यालय की डॉ. अपर्णा सिंह शामिल रहीं। सत्र की अध्यक्षता फिरोज बख्त अहमद ने की।

सम्मेलन में दिल्ली के कई प्रमुख विद्यालयों ने भाग लिया, जिनमें द एयर फोर्स स्कूल, मॉडर्न पब्लिक स्कूल शालीमार बाग, दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल और मॉडर्न स्कूल बाराखंबा रोड शामिल रहे। इस दौरान 'श्रेष्ठ विद्यालय पुरस्कार 2026' भी प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण 'अलीगढ़ साहित्य कला उत्सव' और 'अध्ययन शिक्षा परियोजना' का औपचारिक शुभारंभ रहा, जो शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में नई पहल के रूप में देखा जा रहा है। सम्मेलन का संचालन दिल्ली विश्वविद्यालय की प्राध्यापक डॉ. अमृता शास्त्री ने किया, जबकि समापन प्रो. दिव्या तंवर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

इस अवसर पर शिक्षा क्षेत्र में योगदान के लिए कई गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित भी किया गया। सम्मेलन को विभिन्न मीडिया और शैक्षणिक संस्थाओं का सहयोग प्राप्त हुआ, जिससे यह आयोजन व्यापक और प्रभावशाली रूप से संपन्न हुआ।

सफदरजंग अस्पताल में अत्याधुनिक TEE मशीन से मजबूत हुआ हार्ट केयर

नई दिल्ली। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (VMMC) एवं सफदरजंग अस्पताल ने अपने कार्डियोलॉजी विभाग में अत्याधुनिक ट्रांसइसोफेगल इकोकार्डियोग्राफी (TEE) मशीन स्थापित कर हृदय रोग उपचार सेवाओं को और सशक्त किया है। यह पहल कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) के तहत Fiserv के सहयोग से, United Way Mumbai की साझेदारी में तथा DFY India द्वारा लागू की गई है।

नई TEE मशीन के जरिए अब अस्पताल में जटिल हृदय रोगों की अधिक सटीक और समयबद्ध जांच संभव हो सकेगी, जिससे मरीजों के उपचार में बेहतर परिणाम मिलने की उम्मीद है।अस्पताल की निदेशक डॉ. कविता रानी शर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक उपकरण का जुड़ना नहीं, बल्कि मरीजों की बेहतर देखभाल की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि बड़े और विविध मरीजों की संख्या वाले अस्पताल में ऐसी आधुनिक तकनीक समय पर सही इलाज सुनिश्चित करने में बेहद अहम भूमिका निभाती है।उन्होंने कार्डियोलॉजी विभाग की टीम के प्रयासों की भी सराहना की। विभाग का नेतृत्व डॉ. इस्सार कर रहे हैं, जिनके मार्गदर्शन में विभाग लगातार उत्कृष्ट सेवाएं दे रहा है।इस अवसर पर डॉ. रजत जैन ने कहा कि इस तरह की साझेदारियां स्वास्थ्य सेवाओं में वास्तविक बदलाव लाने का माध्यम बनती हैं। वहीं नीतू अग्रवाल ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा देना उनकी CSR प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस पहल को सफल बनाने में मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. चारु बाम्बा, प्रिंसिपल डॉ. गीतिका खन्ना सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।यह सहयोग सभी साझेदारों की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसके तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, नवाचार को बढ़ावा देने और मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

संपादकीय

बीच युद्ध में ट्रंप का यूटर्न

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान इजरायल युद्ध के बीच अचानक यूटर्न लेते हुए युद्धविराम का संकेत देते हुए कहा था कि ईरान बातचीत के लिए बेताब है। इस रणनैतिक बदलाव को पूर्ण युद्ध टालने या कूटनीतिक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। इसके साथ ही यह सवाल भी उठने लगा है कि ट्रंप की युद्ध की पहल क्या अमेरिका के लिए ही आत्मघाती साबित हो सकती है? या ट्रंप अब किसी भी तरीके से युद्ध से कदम वापस खींच सकते हैं। चार हफ्तों की लड़ाई अभी किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा है। उधर अमेरिका के सीजफायर की पहल पर इस्त्राइल का असमंजस भी सामने आ रहा है। खुदा न खास्ता यदि अमेरिका और ईरान के बीच किसी भी तरह का समझौता होता है तो इस्त्राइल ईरान के सीधे निशाने पर आ जाएगा। अभी तक ईरान को एक दर्जन मोर्चे पर अकेले लड़ रहा है। सीजफायर लागू होने वाली शर्तों में इस्त्राइल का कहीं कोई जिक्र नहीं है। अचानक युद्ध ने पहले से ही अस्थिर चल रहे पश्चिम एशिया में नया मोर्चा ही नहीं खोला बल्कि अमेरिकी विदेश नीति की विफलता उजागर कर दी हैं। अपनी सैन्य शक्ति, औद्योगिक क्षमता और मजबूत गठबंधन वाले महाशक्ति देश को इस संघर्ष ने दिखा दिया कि हर क्षेत्र में एक साथ सक्रिय रहना आसान नहीं है। वॉशिंगटन को अब अपने रणनीतिक मोर्चों, प्राथमिकताओं और वादों के बीच अधिक सावधानी से संतुलन बनाना पड़ रहा है। जो इस बात का प्रमाण है कि शक्तिशाली होना और हर जगह टांग अड़ाना दोनों अलग बातें हैं। ईरान के साथ चल रहे युद्ध ने अमेरिकी विदेश नीति की दिशा और दशा दोनों को बदलने के साथ, अमेरिका को अप्रत्यक्ष रूप से आर्थिक मोर्चे पर कमजोर कर दिया है। इस युद्ध का सबसे व्यापक प्रभाव अमेरिका के सहयोगियों और साझेदारों के साथ संबंधों पर दिखाई दे रहा है। भले ही अमेरिकी गठबंधन अब भी उसकी सबसे बड़ी रणनैतिक ताकत माने जाते हैं, लेकिन ईरान युद्ध ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सभी सहयोगी तनाव बढ़ाने को एक जैसी नजर से नहीं देख रहे हैं। कई देशों की लागत और जोखिम उठाने की क्षमता और इच्छा भी भिन्न-भिन्न है।साथ ही खाड़ी देशों को आशंका है कि अमेरिका ईरान में सीधा टकराव होने पर वह खुद निशाना बन सकते हैं। लिहाजा उन्हें अमेरिकी सुरक्षा भी चाहिए और इससे जुड़े जोखिम से दूरी भी। ईरान युद्ध का असर एशियाई सहयोगियों पर भी साफ दिखाई दे रहा है। जब अमेरिका ने अपने कुछ सैन्य संसाधन एशिया से हटा कर ईरान मोर्चे पर लगाए, तो चीन के पड़ोसी देशों में चिंता बढ़ गई। यह संघर्ष केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अमेरिका की वैश्विक प्रतिबद्धताओं की परीक्षा बन गया है, ऐसे में ट्रंप के पास यूटर्न ही एकमात्र विकल्प था।

मिडिल ईस्ट युद्ध ने ट्रम्प की मुश्किलों को बढ़ाया

हालांकि, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पांच दिन के युद्धविराम की पेशकश ने उम्मीदें जगाई हैं। जाहिर है, ट्रम्प अनिश्चय की स्थिति में हैं। युद्ध की दिशा उनके अनुमान के मुताबिक नहीं रही है। यही स्थिति इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की है। ट्रम्प-नेतन्याहू ने सोचा था कि उनके सामने इजरायल जल्द पस्त हो जाएगा। लेकिन 26 मार्च तक तो ऐसा नहीं हुआ था। अमेरिका के शांति प्रस्तावों पर ईरान ने कड़ा रुख अपनाया है। भारी तबाही के बावजूद वह अपने कुछ मुद्दों पर पीछे हटने के लिए तैयार नहीं है। मौजूदा युद्ध के उद्देश्यों पर हमेशा सवाल उठेंगे। हानि-लाभ का हिसाब लगाया जाएगा। पूछा जाएगा कि चीन, रूस और भारत जैसे देशों की भूमिका क्या रही? नेतन्याहू के बहकावे पर युद्ध में कूदे ट्रम्प के सामने तो कोई स्पष्ट लक्ष्य तक नहीं है। वैसे, अमेरिका की हथियार लॉबी का धंधा जोर पकड़ चुका है। अमेरिका को अब तक इजरायल और खाड़ी देशों से करोड़ों रुपए के हथियारों की सप्लाई के ऑर्डर मिले हैं। लेकिन कुछ वास्तविकताएं ट्रम्प की मुश्किलों को सामने रखती हैं। ट्रम्प बिजनेसमैन हैं। वे राजनीति को नफा-नुकसान के नजरिये से देखते हैं। लिहाजा, तेल, गैस की सप्लाई में रुकावट से बिजनेस पर पड़ने वाला असर उनके लिए चिंता पैदा कर रहा है।

-राजेश पांडेय-

युद्ध के मामले में अमेरिका-इजरायल की प्राथमिकताएं अलग-अलग हैं। इजरायल क्षेत्रीय ताकत है। वह मिडिल ईस्ट में अपने सामने किसी तरह की बड़ी चुनौती नहीं चाहता है। उसका लक्ष्य सीमित है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका को वैश्विक महाशक्ति होने के नाते पूरी दुनिया की स्थिति को ध्यान में रखकर फैसले करने पड़ते हैं। लेकिन, ईरान के मामले में वह दिशाहीनता शिकार है। मिडिल ईस्ट युद्ध की लपटें अब दुनिया को झुलसाने लगी हैं। तेल, गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। युद्ध लंबे समय तक चला तो ग्लोबल अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा। हालांकि, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पांच दिन के युद्धविराम की पेशकश ने उम्मीदें जगाई हैं। जाहिर है, ट्रम्प अनिश्चय की स्थिति में हैं। युद्ध की दिशा उनके अनुमान के मुताबिक नहीं रही है। यही स्थिति इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की है। ट्रम्प-नेतन्याहू ने सोचा था कि उनके सामने इजरायल जल्द पस्त हो जाएगा। लेकिन 26 मार्च तक तो ऐसा नहीं हुआ था। अमेरिका के शांति प्रस्तावों पर ईरान ने कड़ा रुख अपनाया है। भारी तबाही के बावजूद वह अपने कुछ मुद्दों पर पीछे हटने के लिए तैयार नहीं है।

मौजूदा युद्ध के उद्देश्यों पर हमेशा सवाल उठेंगे। हानि-लाभ का हिसाब लगाया जाएगा। पूछा जाएगा कि चीन, रूस और भारत जैसे देशों की भूमिका क्या रही? नेतन्याहू के बहकावे पर युद्ध में कूदे ट्रम्प के सामने तो कोई स्पष्ट लक्ष्य तक नहीं है। वैसे, अमेरिका की हथियार लॉबी का धंधा जोर पकड़ चुका है। अमेरिका को अब तक इजरायल और खाड़ी देशों से करोड़ों रुपए के हथियारों की सप्लाई के ऑर्डर मिले हैं। लेकिन कुछ वास्तविकताएं ट्रम्प की मुश्किलों को सामने रखती हैं। ट्रम्प बिजनेसमैन हैं। वे राजनीति को नफा-नुकसान के नजरिये से देखते हैं। लिहाजा, तेल, गैस की सप्लाई में रुकावट से बिजनेस पर पड़ने वाला असर उनके लिए चिंता पैदा कर रहा है। युद्ध

से ट्रम्प और अमेरिका की राजनीतिक स्थिति प्रभावित होगी। वे जब से दोबारा राष्ट्रपति बने हैं, कई जगह अमेरिकी ताकत का दुरुपयोग कर चुके हैं। उन्होंने वेनेजुएला के तानाशाह राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का रातों-रात अपहरण कर लिया था। ट्रम्प नोबल शांति पुरस्कार पाने की लालसा रखते हैं लेकिन उन्होंने ईरान के बहुत बड़े हिस्से को उजाड़ डाला है। वहां वियतनाम और गाजा पट्टी जैसी सघन बमबारी हुई है। स्कूलों, अस्पतालों, सड़कों, पुलों और रिहायशी इलाकों को तहस-नहस करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी गई है। ईरान के डटे रहने से ट्रम्प के राजनीतिक प्रभाव में सेंध लग रही है। उनकी दुनिया को दबाने की ताकत क्षीण होगी। चीन, रूस जैसे देशों के सामने असहाय महसूस करने वाले देश सोच सकते हैं कि जब ट्रम्प ईरान जैसे देश को नहीं झुका पाए तो वे इन देशों का क्या कर लेंगे?

ट्रम्प यदि जीतते नहीं हैं तो अमेरिकी में उनकी राजनीतिक स्थिति कमजोर होगी। अमेरिका तेल, गैस का निर्यातक है। फिर भी, वहां गैस के मूल्य बढ़ रहे हैं। अक्सर जनमत के निर्धारण में महंगाई की अहम भूमिका होती है। इसलिए अनुमान लगाए जा रहे हैं कि नवंबर में होने वाले अमेरिकी संसद के मध्यावधि चुनाव में राष्ट्रपति की रिपब्लिकन पार्टी को नुकसान हो सकता है। लगता है, स्थिति संभालने के लिए ट्रम्प ने पहले 48 घंटे और फिर पांच दिन के युद्धविराम का पांसा फेंका है। वे किसी समझौते की स्थिति में विजेता बनकर उभरने की कोशिश करेंगे। ट्रम्प भ्रम के अंधेरे में भटक रहे हैं तो नेतन्याहू का एजेंडा एकदम साफ है। उनका राजनीतिक कॅरियर दुस्साहस, जोखिम और निर्ममता का पर्याय है। 2023 के बाद गाजा में हजारों बेकसूर फिलिस्तीनियों की हत्या ने उनका हौसला बढ़ाया है। ईरान पर हमले के लिए उन्हें देश की जनता के बड़े हिस्से का समर्थन भी है। इजरायलियों के बीच धारणा है कि उनके देश के अस्तित्व को ईरान से सबसे ज्यादा खतरा है। नेतन्याहू गाजा में जनसंहार के बाद भी अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर आश्वस्त नहीं हैं। राष्ट्रपति उन पर भ्रष्टाचार के आरोप में मुकदमा चलाने की अनुमति दे चुके हैं। इजरायल में इस साल चुनाव हैं। इस वक्त नेतन्याहू की सरकार कट्टर दक्षिणपंथी पार्टियों को समर्थन से चल रही है। लिहाजा, वे ईरान युद्ध से चुनाव में अपनी पार्टी के स्पष्ट बहुमत हासिल करने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। नेतन्याहू को भरोसा था कि हमले के बाद ईरान की जनता वर्तमान सरकार के खिलाफ बगावत कर देगी। दरअसल, ईरान में कट्टरपंथी धार्मिक नेतृत्व के खिलाफ जनता खासकर युवाओं ने लंबा आंदोलन छेड़ा था। खामेनेई सरकार ने आंदोलन का बेहद क्रूरता से दमन किया था। इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद ने ईरान में बगावत भड़काने की काफी कोशिश की लेकिन उसे सफलता नहीं मिल पाई। बाहरी आक्रमण देश में एकजुटता पैदा करता है। लोगों में देशभक्ति की भावना जोर पकड़ती है। ईरान में ऐसा ही हुआ है।

युद्ध के मामले में अमेरिका-इजरायल की प्राथमिकताएं अलग-अलग हैं। इजरायल क्षेत्रीय ताकत है। वह मिडिल ईस्ट में अपने सामने किसी तरह की बड़ी चुनौती नहीं चाहता है। उसका लक्ष्य सीमित है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका को वैश्विक महाशक्ति होने के नाते पूरी दुनिया की स्थिति को ध्यान में रखकर फैसले करने पड़ते हैं। लेकिन, ईरान के मामले में वह दिशाहीनता शिकार है। ट्रम्प के अप्रत्याशित व्यवहार के बावजूद भारत, रूस, चीन का रुख निर्णायक नहीं रहा है। ये तीनों देश चाहते तो अमेरिका, इजरायल पर दबाव डाल सकते थे। भारत का कमजोर रुखः अमेरिका, इजराइल हमले के खिलाफ भारत की प्रतिक्रिया बेहद सतर्कता भरी रही है। ऐसा लगता है,वह किसी दबाव में है। विदेश नीति में पहले जैसी स्पष्टता, दूरदर्शिता का अभाव है। 140 करोड़ की आबादी का भारत आज पहले के मुकाबले आर्थिक और सैनिक रूप से बहुत मजबूत है। लेकिन उसका प्रभाव बहुत क्षीण है। उसके रुख में स्पष्टता और प्रखरता की कमी है। वह अमेरिका, इजरायल के पीछे खड़ा है। गुटनिरपेक्ष आंदोलन के समय वैश्विक मंच पर भारत की आवाज को अहमियत मिलती थी। भारत ने कई मौकों पर देशों की संप्रभुता का उल्लंघन होने पर कड़ा विरोध जताया है। उसने एशिया, अफ्रीका में साम्राज्यवाद के खिलाफ असरदार मुहिम चलाई थी। वह कमजोर देशों का सहारा था। कई मौकों पर अंतरराष्ट्रीय विवादों में भारत ने मध्यस्थता की भूमिका निभाई थी। भारत की पहचान नैतिकता, सिद्धांतों और इंसाफ का साथ देने वाले देश की थी। जिन नेताओं और उनके समर्थकों ने भारत को विश्वगुरू और विश्वमित्र के खिताब से विभूषित कर रखा था, उनकी आवाज न जाने कहां गुम हो गई है।

ईरान युद्ध से दुनिया को काफी नुकसान हो चुका है। भावी विध्वंस को लेकर प्रभावशाली देश चिंतित नहीं हैं। लगता है, बड़े देशों के बीच अघोषित समझौता हो चुका है कि वे कुछ भी करें, दुनिया को अपने डंडे के बल पर कैसे भी हांकें, दूसरा कुछ नहीं बोलेगा। यूक्रेन पर रूसी हमले के चार साल बीत चुके हैं। चीन ने मध्यस्थता करने की बजाय रूस का साथ दिया है। अमेरिका और यूरोपीय देश देर से यूक्रेन की मदद के लिए आगे आए हैं। यूरोपीय देश चाहते तो अपनी सामूहिक ताकत के बूते रूस को सबक सिखा सकते थे। लेकिन, उन्होंने तत्काल निर्णायक कदम नहीं उठाए। इसलिए विशेषज्ञों को लगता है कि यूक्रेन, गाजा और ईरान युद्ध के समान ताइवान पर चीनी हमले के समय भी बड़े देश चुप बैठ सकते हैं।

जलवायु परिवर्तनः भविष्य नहीं, वर्तमान का महाविनाशकारी संकट

-ललित गर्ग-

आज मानव सभ्यता जिस सबसे बड़े संकट के सामने खड़ी है, वह युद्ध, महामारी या आर्थिक मंदी नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन है। दुनिया आज जलवायु संकट के ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां हर नया आंकड़ा खतरे की घंटी बनकर सामने आ रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि 2015-2025 का दशक अब तक का सबसे गर्म दौर रहा है। यह केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि पृथ्वी के बदलते स्वभाव का गंभीर संकेत है।

रिपोर्ट बताती है कि ग्रीनहाउस गैसों का स्तर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच चुका है और पृथ्वी का एनर्जी इम्बैलेंस लगातार बढ़ रहा है। महासागर, जो जलवायु संतुलन के सबसे बड़े नियंत्रक माने जाते हैं, अब 90 प्रतिशत से अधिक अतिरिक्त गर्मी सोख रहे हैं। इसका सीधा अर्थ है कि पृथ्वी का तापमान केवल हवा में ही नहीं, जल और भूमि के भीतर भी बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन अब धीरे-धीरे आने वाली समस्या नहीं रही, बल्कि यह वर्तमान का संकट बन चुका है। दुनिया के अनेक हिस्सों में असामान्य गर्मी, बाढ़, सूखा, चक्रवात और जंगल की आग जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। प्रति का संतुलन बिगड़ रहा है और मौसम का मिजाज अनिश्चित होता जा रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा से बाढ़ आ रही है तो कहीं महीनों तक बारिश नहीं हो रही। यह असंतुलन सीधे-सीधे मानव जीवन, कृषि, जल संसाधनों और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। इस बदलते मौसम ने सबसे ज्यादा मनुष्य के स्वास्थ्य पर हमला किया है।

भारत के संदर्भ में यह संकट और भी गंभीर रूप लेता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत के अनेक शहरों में तापमान 48 से 50 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि पहले 45 डिग्री को ही अत्यधिक गर्मी माना जाता था। अब असामान्य गर्मी ने फरवरी और मार्च जैसे महीनों को भी झुलसाना शुरू कर दिया है। हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता दोनों बढ़ रही हैं। इसका असर केवल स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि बिजली, पानी, खेती, श्रम, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी ने केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि वन्यजीव, पेड़-पौधे और सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को भी संकट में डाल दिया है।

जलवायु परिवर्तन के पीछे सबसे बड़ा कारण मानव का विकास मॉडल है। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई, अनियोजित शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों का अंधाधुंध दोहन पृथ्वी को लगातार गर्म कर रहा है। आज वैश्विक तापमान लगभग एक लाख 25 हजार वर्षों के उच्चतम स्तर के आसपास पहुंच चुका है। यह स्थिति बताती है कि समस्या प्रकृति में नहीं, बल्कि मानव की जीवनशैली और विकास की दिशा में है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां इस संकट को और अधिक खतरनाक बना रही हैं। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध की स्थितियां बनी हुई हैं। युद्ध केवल मानव जीवन और अर्थव्यवस्था को ही नष्ट नहीं करते, बल्कि पर्यावरण को भी गहरा नुकसान पहुंचाते हैं। युद्ध में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटक, रसायन, धातु, ईंधन और आग से वातावरण में भारी मात्रा में जहरीली गैसें फैलती हैं। तेल भंडारों में आग, रासायनिक संयंत्रों का नष्ट होना और सैन्य गतिविधियां वातावरण में कार्बन उत्सर्जन को कई गुना बढ़ा देती हैं। इस प्रकार युद्ध और जलवायु परिवर्तन मिलकर पृथ्वी को दोहरे संकट की ओर धकेल रहे हैं। भारत सहित दुनिया के लगभग 75 प्रतिशत जिले किसी न किसी जलवायु जोखिम के दायरे में आ चुके हैं। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी नदियों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। दूसरी ओर समुद्र का जलस्तर बढ़ने से मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे तटीय शहरों पर खतरा मंडरा रहा है। यदि समुद्र स्तर इसी गति से बढ़ता रहा तो आने वाले दशकों में तटीय आबादी का बड़े पैमाने पर विस्थापन हो सकता है। यह केवल पर्यावरण संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट भी बन सकता है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यह स्पष्ट है कि यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कटौती नहीं की गई, तो तापमान के नए-नए रिकॉर्ड टूटते रहेंगे और पृथ्वी रहने योग्य स्थान कम होती जाएगी। जल संकट, खाद्य संकट, स्वास्थ्य संकट और प्रवासन जैसी समस्याएं बढ़ेंगी। दुनिया के अनेक वैज्ञानिक अब चेतावनी दे रहे हैं कि यदि तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का पारिस्थितिक संतुलन गंभीर रूप से बिगड़ सकता है। लेकिन इस संकट में ही अवसर भी छिपा हुआ है। यह समय विकास मॉडल को बदलने का है। ऊर्जा के क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा, जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। शहरों को कंक्रीट के जंगल बनाने के बजाय हरित शहर बनाना होगा। जल प्रबंधन को जन आंदोलन बनाना होगा। वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और नदियों के संरक्षण पर गंभीरता से काम करना होगा। कृषि को जलवायु अनुकूल बनाना होगा, कम पानी वाली फसलों और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। साथ ही जिला स्तर पर हीट एक्शन प्लान, जल संरक्षण योजना, वृक्षारोपण अभियान और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम लागू करने होंगे। जलवायु परिवर्तन से लड़ाई केवल सरकारें नहीं जीत सकतीं, इसके लिए समाज, उद्योग, वैज्ञानिक और आम नागरिक सभी को मिलकर काम करना होगा। दुनिया की महाशक्तियों के लिए यह समय सबसे बड़ी परीक्षा का समय है। यदि वे केवल आर्थिक विकास और सैन्य शक्ति की दौड़ में ही उलझी रहीं और पृथ्वी के भविष्य की चिंता नहीं की, तो आने वाली पीढ़ियां उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी।

उन्हें यह समझना होगा कि पृथ्वी बचेगी तो अर्थव्यवस्था भी बचेगी, मानव सभ्यता भी बचेगी और विकास भी बचेगा। यदि पृथ्वी ही तपती और असंतुलित हो गई, तो सारी प्रगति बेकार हो जाएगी। आज आवश्यकता है कि दुनिया की महाशक्तियां कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए कठोर और बाध्यकारी नीतियां बनाएं, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करें, वनों की कटाई रोकें और हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दें। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी का तापमान इतना बढ़ जाएगा कि अनेक क्षेत्र रहने योग्य नहीं रहेंगे। निश्चित तौर पर जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चुनौती नहीं, वर्तमान का संकट है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को एक असंतुलित और तपती हुई पृथ्वी विरासत में मिलेगी। यह तपती हुई पृथ्वी मानव जीवन के लिए विनाश का कारण भी बन सकती है। लेकिन यदि दुनिया समय रहते चेत गई, तो यही संकट एक नए, संतुलित और टिकाऊ विकास मॉडल की शुरुआत भी बन सकता है। पृथ्वी को बचाना अब विकल्प नहीं, मानव अस्तित्व की अनिवार्यता बन चुका है।

वृंदावन के इस एक मंदिर में पूजा करने से दूर होता है कालसर्प दोष

धर्मकर्म

भारत में कई ऐसे मंदिर हैं, जो किसी न किसी संकट या दोष की पूजा के लिए लाभकारी माने जाते हैं। इन्हीं में से एक मंदिर भगवान श्रीकृष्ण की लीला स्थल वृंदावन में मौजूद है। वैसे तो वृंदावन में भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित कई मंदिर हैं। लेकिन वृंदावन के इस खास मंदिर में पूजा कराने से काल सर्प दोष से मुक्ति मिल जाती है। फिर कितना ही भयंकर कालसर्प दोष लगा हो या उसका प्रभाव कितना ही तीव्र क्यों न हो। इस मंदिर में पूजा कराने से न सिर्फ कालसर्प दोष दूर होता है बल्कि उसका प्रभाव भी तेजी से घटता है और व्यक्ति को शुभ परिणाम मिलने लगते हैं। बता दें कि वृंदावन में भगवान श्रीकृष्ण के परम भक्त गरुड़ जी का एक मंदिर है। इस मंदिर को गरुड़ गोविंद के नाम से जाना जाता है। वहीं मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। गरुड़ गोविंद का विशेष रूप से भगवान श्रीकृष्ण और उनके वाहन गरुड़ के प्रति श्रद्धा और प्रेम को व्यक्त करने के लिए समर्पित है। इस मंदिर में गरुड़ की एक बहुत बड़ी प्रतिष्ठित मूर्ति है। गरुड़ गोविंद मंदिर में भगवान कृष्ण की मूर्ति है, जिसकी पूजा की जाती है। यह पूजा स्थल भक्तों के लिए फेमस है। हालांकि इस मंदिर के बारे में अधिकतर ब्रजवासियों को ही पता है। गरुड़ गोविंद मंदिर के बारे में बाहर के लोगों को कम जानकारी है। इस मंदिर को काल सर्प दोष की पूजा के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि जब यमुना में कालिया नाग ने अपना स्थान बनाया था। तब श्रीकृष्ण ने कालिया नाग का दमन कर यमुना से भगा दिया था। जिसके बाद श्रीकृष्ण ने गरुड़ को उस स्थान पर विराजमान रहने के लिए कहा था। जिससे कोई भी नाग ब्रज भूमि में प्रवेश न कर पाए। तभी से इस मंदिर में कालसर्प दोष की पूजा का विशेष महत्व है। गरुड़ मंदिर में कालसर्प दोष की पूजा करने से इसका फल जरूर मिलता है। साथ ही कालसर्प दोष भी दूर होता है और व्यक्ति को नकारात्मक प्रभावों से छुटकारा मिलता है। इस मंदिर में भगवान कृष्ण और गरुड़ की एक साथ पूजा करने से व्यक्ति के जीवन से हर संकट का नाश हो जाता है। जिस तरह श्रीकृष्ण के हर कार्य में गरुड़ सहायक बनते हैं, वैसे ही वह अपने भक्तों पर भी कृपा बनाए रखते हैं।

आज का इतिहास

1736 - ब्रिटेन के अविष्कारक जेम्स वाट का उत्तरी इंग्लैंड के ग्रीनीक नगर में जन्म हुआ।
1738 - जेनकिन के एअर का युद्ध; संसद ने राजा को एक पते का अनुरोध करते हुए कहा कि वह स्पेन से निपटने की मांग करें।
1802 - हाइनरिक विल्हेम मथायस ओल्बर्स ने क्षुद्रग्रह पल्लास का पता लगाया।
1802 - जर्मन खगोलशास्त्री हेनरिक विल्हेम मैथियास ओल्बर्स ने मनुष्य के लिए जाना जाने वाला दूसरा क्षुद्रग्रह 2 पलस की खोज की।
1806 - वाशिंगटन कॉलेज (अब वाशिंगटन और जेफरसन कॉलेज) की स्थापना पेंसिल्वेनिया महासभा द्वारा की गयी।
1862 - कंफ़ेडरेट स्टेट्स आर्मी द्वारा न्यू मैक्सिको टेरिटरी के अमेरिकी नागरिक युद्ध-एक आक्रमण को ग्लोरीटा पास की लड़ाई में रोक दिया गया था।
1866 - पहली एम्बुलेंस को सेवा के लिए तैयार किया गया।
1891 - पहला दुनिया भारोत्तोलन चैम्पियनशिप आयोजित किया गया।
1920 - मिडवेस्टर्न और सदर्न यूनाइटिड स्टेट्स में 37 बवंडर का प्रकोप होने से 380 से ज्यादा लोग मारे गए।
1922 - अमेरिकी आविष्कारक ब्रेडली ए. फिस्के ने माइक्रोफिल्म पठन यंत्र का पेटेंट कराया।
1930 - तुर्की के बहुत से शहरों का नाम बदला गया। इसी दिन से राजधानी 'अंगोरा' को 'अंकारा' और 'कॉन्सटानिनोपल' का नाम बदल कर 'इंस्तांबुल' कर दिया गया।
1930 - तुर्की ने अपने सबसे बड़े शहर कांस्टेंटिनोपल का नाम बदलकर इस्तांबुल कर दिया।
1933 - इंपीरियल एयरवेज के बाइप्लेन सिटी ऑफ लिवरपूल में सवार एक यात्री ने बोर्ड में आग लगा दी, जिससे वह मध्य हवा में टूट गया और दुर्घटनाग्रस्त हो गया।
1949 - संयुक्त राज्य अमेरिका के रक्षा सचिव जेम्स फोरेस्टल ने अचानक इस्तीफा दिया।

समाज के लिए खतरा हैं धर्म के चोले में पनपते कालनेमी

-मनोज कुमार अग्रवाल-

यह कैसी बिडम्बना है कि इक्कीसवीं सदी में पहुंच कर भी भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी टोना टोटका डायन भूत प्रेत और बाबाओं के चमत्कार पर भरोसा रखता है इतना ही नहीं ये संत के चोले में छिपे शैतान न सिर्फ अरबों करोड़ों की संपत्ति इकट्ठा कर रहे हैं वरन हर तरह की पोपलीला भी टकर रहे हैं धर्म की आड़ में आर्थिक दैहिक शोषण बलात्कार, हत्या, ब्लैकमेलिंग करने जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देने वाले ढोंगी बाबाओं की सूची में अब एक नया नाम नासिक के अशोक खरात का जुड़ गया है।

अशोक खरात की कहानी भी राम रहीम और आसाराम जैसे लोगों से अलग नहीं है। धर्म के नाम पर अपनी निजी जीवन की परेशानियों के निराकरण के लिए बाबा पर भरोसा कर आए लोगों को वाकजाल में फंसाना, उनसे धन ऐंठना और महिलाओं का यौन शोषण करना धंधा बन गया है। अब सामने आया है कि लम्बे समय से ये अपराध होते रहें और ढोंगी व्यक्ति खुद को भगवान बताकर चमत्कार दिखाता रहे तो यह न स्वस्थ समाज की पहचान है, न स्वस्थ राजनीति और प्रशासन की। क्योंकि ताकतवर लोगों के प्रोत्साहन के बिना ठगी और अपराध की ऐसी दुकानें चल ही नहीं सकतीं। हो सकता है कि अभी पुलिस हिरासत में आए इस अपराधी को कुछ वक्त तक सलाखों के पीछे ही रहना पड़े, लेकिन इस समय ज्यादा चिंता की बात यह है कि समाज जिस तरह चमत्कारों, अंधविश्वासों और अतार्किक प्रथाओं की सलाखों में कैद है, उससे वह कब आजाद हो पाएगा।

कितनी बड़ी विडंबना है कि जिस महाराष्ट्र में संत तुकाराम संत नामदेव महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, जैसे महापुरुषों की कतार दी, वहां अशोक खरात लोगों को अंधविश्वास की आग फैलाने का मौका मिला। नरेन्द्र दाभोलकर जैसे लोग अंधश्रद्धा के खिलाफ आवाज उठाएं तो उनकी हत्या कर दी जाए और अशोक खरात जैसे लोग अंधश्रद्धा के बूते खुद को गॉडमैन कहलवाएं। यह बेहद हैरत की बात है क्योंकि सरकारें भी ऐसी बातों पर तभी एक्शन लेती है जब बात बहुत आगे बढ़ जाती है। यूं तो देश का राजनीतिक दल इस किस्म के बाबाओं से खुद को दूर रखा है, हर दल में ऐसे नेता मिल जाएंगे, जो ढोंगी चोगों को बढ़ावा देते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में समस्या कुछ ज्यादा बढ़ चुकी है, यह मानने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए।

आज जब राष्ट्रपति के गरिमामयी पद पर आसीन माननीय किसी संत के स्थान पर आकर कथित एकांतिक वार्तालाप के लिए समय दे रहीं हैं ऐसे समय में समाज संत और कालनेमी संत की पहचान कैसे करे? विचारणीय बात यह है कि भगवदभक्ति में लगे लोगों को भौतिक चकाचौंध की दरकार क्यों होनी चाहिए। लेकिन इस सवाल की परतें खोलें तो समझ आता है कि ऐसे लोगों को न भगवदभक्ति से मतलब है, न धर्म की रक्षा से, इन्हें तो अपने उन राजनैतिक और व्यापारी आकाओं की सेवा करनी है, जिनके काले धन को धर्म के धंधे से ये सफेद करते हैं। अशोक खरात का मामला भी कुछ ऐसा ही लगता है। ताज़ा जानकारी के अनुसार नासिक में कथित 'फर्जी बाबा' अशोक खरात के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नरबलि और अंधश्रद्धा से जुड़े गंभीर आरोपों में मामला दर्ज किया है. नासिक पुलिस ने खरात के खिलाफ अब तक कुल 8 एफआईआर दर्ज की हैं, जिससे इस मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। पुलिस ने आरोपी की लाइसेंसी रिवॉल्वर भी जब्त कर ली है और उसका लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक, ताजा एफआईआर उस व्यक्ति की शिकायत पर दर्ज की गई है, जिसके खिलाफ पहले अशोक खरात ने खुद मामला दर्ज कराया था। अब उसी व्यक्ति ने खरात पर संगीन आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में दावा किया गया है कि 2018 से 2025 के बीच आरोपी ने जान से मारने की धमकी देकर शिकायतकर्ता से भारी आर्थिक ठगी की आरोप है कि फरवरी 2020 से मार्च 2026 के बीच आरोपी ने एक महिला को अपने ऑफिस बुलाया। तांबे की बोतल में 'मंत्रित पानी' पिलाया गया. इसके बाद धार्मिक अनुष्ठान के नाम पर बार-बार शारीरिक संबंध बनाए. जब पीड़िता गर्भवती हुई तो बाद में गर्भपात के लिए दबाव डाला गया। मना करने पर जान और बच्चे को खतरे की धमकी दी गई। इस प्राथमिक रिपोर्ट में आरोप है कि 'दिव्य औषधि'के नाम पर महिला का मानसिक और शारीरिक शोषण किया गया।

स्वयंभू चमत्कारी बाबा यह शख्स अब महिलाओं के साथ शारीरिक शोषण, ब्लैकमेलिंग और करोड़ों की बेनामी संपत्ति बनाने के आरोपों में घिरा हुआ है। दरअसल 29 दिसंबर 2025 को अशोक खरात खुद वावी पुलिस स्टेशन पहुंचा और उसने शिकायत दर्ज कराई कि कुछ लोग उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल कर रहे हैं। शुरुआत में मामला ब्लैकमेलिंग का लगा, लेकिन जब पुलिस ने जांच शुरू की तो मोबाइल डेटा और साइबर जांच में कोई ठोस सबूत नहीं मिला। जिन लोगों पर आरोप लगाए गए थे, उन्हें भी अदालत से राहत मिल गई। यहीं से पुलिस को शक हुआ कि मामला कुछ और ही है। करीब डेढ़ महीने बाद 18 फरवरी 2026 को शिर्डी से एक और शिकायत सामने आई। एक महिला ने आरोप लगाया कि उसे एआई से तैयार अश्लील फोटो भेजकर धमकाया गया। इसी दौरान एक अहम गवाह सामने आया, जिसने पुलिस को कुछ ऐसे वीडियो दिखाए जिनमें कई महिलाओं के साथ अशोक खरात की आपत्तिजनक हरकतें नजर आई। आरोप है कि वह महिलाओं को धार्मिक झांसा देकर अपने जाल में फंसाता था और फिर उनका शोषण करता था। गवाह पहले डरा हुआ था, लेकिन पुलिस की सुरक्षा मिलने के बाद उसने ये सबूत सौंप दिए। मामला आगे बढ़ा तो 10 मार्च 2026 को अशोक खरात के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया और एयरपोर्ट पर उसे रोक दिया गया। फिर फड़नवीस सरकार ने 13 मार्च को एसआईटी गठित की और लगातार नए खुलासे सामने आने लगे। 17 मार्च को सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में एक महिला ने बताया कि अशोक खरात ने खुद को दैवी शक्तियों वाला बताकर उसे अनुष्ठान के नाम पर अपने ऑफिस बुलाया। वहां उसे नशीला पदार्थ देकर बेहोश किया गया और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया।

इस शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसके ठिकानों पर छापेमारी की गई, जहां से कई अहम सबूत मिले। आरोपी के पास से लाखों रुपये नकद, लैपटॉप, डिजिटल रिकॉर्डिंग डिवाइस और हथियार तक बरामद किए गए हैं। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, यह भी सामने आया कि आरोपी ने अलग-अलग जगहों पर करोड़ों की संपत्ति जमा कर रखी है। नासिक, शिर्डी, पुणे और पनवेल जैसे शहरों में जमीन, बंगले और फार्महाउस उसके नाम या बेनामी रूप से जुड़े हुए पाए गए। कुल संपत्ति का अनुमान करीब 40 करोड़ रुपये से ज्यादा लगाया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@gmail. Com

रसोई गैस उत्पादन में 40 फीसदी वृद्धि, कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति 70 फीसदी तक बहाल: केंद्र

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया युद्ध के कारण वैश्विक रुकावटों के बावजूद भारत ने कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और पीएनजी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की है। साथ ही घरेलू रसोई गैस के उत्पादन में लगभग 40 फीसदी की वृद्धि हुई है। घरेलू आपूर्ति को प्राथमिकता दी गई है, जबकि कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति को धीरे-धीरे 70 फीसदी तक बहाल कर दिया गया है, जिसमें प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है।

वहीं, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने के बावजूद केंद्र सरकार के हस्तक्षेप के कारण ईंधन की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने शुक्रवार को यहां आयोजित प्रेसवार्ता में इसकी जानकारी दी। शर्मा ने बताया कि केंद्र सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती की है। इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डालने के बजाय स्वयं वहन किया है, जिससे पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क 10-10 रुपये प्रति लीटर कम हो गया है।

अप्रैल 2022 से पेट्रोल और डीजल की कीमतें या तो कम हुई हैं या स्थिर बनी रही हैं। यहाँ तक कि अप्रैल 2025 में जब उत्पाद शुल्क बढ़ाया गया था तब भी इसका अतिरिक्त बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला गया। सुजाता शर्मा ने कहा कि पीएनजी के विस्तार कार्य में तेजी लाई गई है, जिसके तहत प्रतिदिन 10,000 से अधिक नए कनेक्शन जोड़े जा रहे हैं।

साथ ही जमाखोरी के खिलाफ़ कार्रवाई तेज कर दी गई है, जिसके तहत लगभग 3 हजार छापेमारी की गई है, सैकड़ों एफआईआर दर्ज की गई हैं और गैस वितरकों के खिलाफ़ कड़ी कार्रवाई की गई है। सरकार ने एक बार फिर दोहराया है कि आपूर्ति पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराकर अनावश्यक खरीदारी न करें। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं, हम एक युद्ध जैसी स्थिति में हैं। पश्चिम एशिया में चल रहे इस युद्ध की वजह से कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी की हमारी आपूर्ति पर असर पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और अन्य उत्पादों की कीमतें भी बहुत बढ़ गई हैं। हालांकि, भारत सरकार ने इस स्थिति को बहुत प्रभावी ढंग से संभालने के लिए कई स्तरों पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। सुजाता शर्मा ने कहा कि इन सभी उपायों के परिणामस्वरूप 14 मार्च से लेकर 26 मार्च तक कमर्शियल उपभोक्ताओं को लगभग 30,000 टन कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति की गई है।

जब भारत सरकार ने ये निर्णय लिए तो उसने यह सुनिश्चित किया कि रेस्तरां, ढाबों, होटलों, औद्योगिक कैंटीनों, प्रवासियों और श्रमिकों को प्राथमिकता दी जाए। वहीं, सूचना और प्रसारण मंत्रालय में संयुक्त सचिव सेंथिल राजन ने कहा कि हम सभी नागरिकों से अपील करते हैं कि वे अफ़वाहों पर विश्वास न करें और फेक न्यूज से सावधान रहें। उन्होंने कहा कि इससे पहले एलपीजी की कमी के बारे में गलत जानकारी फैलने से लोग घबराकर बुकिंग करने लगे थे, लेकिन उस स्थिति को काबू में कर लिया गया था। उन्होंने कहा कि यह साफ करना जरूरी है कि किसी भी चीज की कोई कमी नहीं है और नागरिकों को पेट्रोल पंपों पर भागदौड़ करने की कोई जरूरत नहीं है।

राजन ने कहा कि गलत जानकारी फैलाने की कोशिशें की जा रही हैं और लोगों से आग्रह है कि वे ऐसी बातों पर विश्वास न करें। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि पिछले 24 घंटों में खाड़ी क्षेत्र में किसी भी भारतीय ध्वज वाले जहाज या भारतीय नाविक के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। सिन्हा ने बताया कि फारस की खाड़ी में 20 भारतीय ध्वज वाले जहाज हैं, जिन पर 540 भारतीय नाविक सवार हैं और वे भी सुरक्षित हैं। सिन्हा ने बताया कि डीजी शिपिंग का 'डीजीकॉम सेंटर' चौबीसों घंटे काम कर रहा है। इसके अलावा, #Gulf क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों से 25 भारतीय नाविकों को जहाज से उतरने के बाद सुरक्षित रूप से भारत वापस लाया गया है।

राज्यसभा में गूंजा धर्मांतरण का मुद्दा, सख्त कानून बनाए जाने की मांग

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सांसद सुमेर सिंह सोलंकी ने राज्यसभा में शुक्रवार को आदिवासी क्षेत्रों में धर्मांतरण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि देश में सबको धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार तो है, परंतु छल, बल और प्रलोभन द्वारा धर्मांतरण कानूनी अपराध है। धर्मांतरण रोकने के लिए संविधान में संशोधन होना चाहिए। इसके तहत आदिवासी समाज का जो व्यक्ति धर्मांतरित हो चुका है, उनका आरक्षण खत्म होना चाहिए। उन्हें डिलिस्टिंग भी कर देना चाहिए। यह लोग जनजाति समाज के हक को मार रहे हैं।

सोलंकी ने कहा कि कई राज्यों में धर्मांतरण रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं, फिर भी पूरे देश में एक कठोर कानून की आवश्यकता महसूस की जा रही है, जिससे आदिवासी के अधिकारों और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा की जा सकती है। सोलंकी ने कहा कि धर्मांतरण हमारे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन चुका है, जिस पर हमें सोचना पड़ेगा।

आदिवासी समाज सनातन धर्म, संस्कृति और परंपराओं को मानने वाला रहा है, लेकिन धर्मांतरण के कारण आज जनजाति समाज की पहचान खतरे में है, जिसकी हम सबको चिंता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज छल एवं डरा धमका कर धर्मांतरण किया जा रहा है। आर्थिक लालच देकर, नौकरी, इलाज और शिक्षा का लालच देकर, अंधविश्वास भ्रम फैलाकर धर्मांतरण किया जा रहा है।

झारखंड के गढ़वा में महाष्टमी के जुलूस पर पथराव, 19 गिरफ्तार, पुलिस तैनात

गढ़वा। झारखंड के गढ़वा जिले के रमकांडा थाना क्षेत्र में महाष्टमी को गुरुवार देररात निकाले गए जुलूस पर हुए पथराव के बाद स्थिति तनावपूर्ण है। इस घटना में छह पुलिसकर्मी और अनेक नागरिक घायल हुए हैं। पुलिस ने 12 से अधिक मोटरसाइकिल जब्त की है। पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

पलामू डीआईजी कौशल किशोर और गढ़वा एसपी अमन कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। एक समुदाय का आरोप है कि जुलूस को विशेष समुदाय के लोगों ने कौआखोह शिव चबूतरा के पास आगे जाने से रोक दिया। डीआईजी ने बताया कि रामनवमी की पूर्व संध्या पर पुलिस सुरक्षा में झांकी निकाली गई। इस दौरान जुलूस पर पथराव किया गया। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल का प्रयोग करते हुए आंसू गैस के गोले छोड़े। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में हैं। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। गढ़वा एसपी अमन कुमार ने बताया कि जुलूस को लेकर दो समुदाय में विवाद हुआ था।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी के बावजूद उपभोक्ताओं को कोई राहत नहीं: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा है कि इसका वास्तविक लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंच रहा है। कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि भले ही सुर्खियों में कीमतें घटने की बात कही जा रही हो, लेकिन आम उपभोक्ताओं और डीलरों के लिए दरें लगभग जस की तस बनी हुई हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार ने केवल 'विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क' में कमी की है, जो तेल विपणन कंपनियां सरकार को अदा करती हैं। उनके अनुसार, इस कदम का सीधा फायदा जनता तक नहीं पहुंचा है। खेड़ा ने इसे एक अनावश्यक कर बताते हुए कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बाद से तेल विपणन कंपनियां घाटे का सामना कर रही थीं और सरकार ने अब जाकर उस बोझ का केवल एक छोटा हिस्सा कम किया है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा दिखाई जा रही राहत केवल 'कथानक' तक सीमित है, जबकि वास्तविकता में आम लोगों को कोई ठोस फायदा नहीं मिल रहा है। उन्होंने सरकार से अपील की कि सुर्खियां बनाने के बजाय उपभोक्ताओं को सीधे और वास्तविक राहत देने पर ध्यान दिया जाए।

राष्ट्रपति ने सीपीईएस, आईईएस अधिकारियों को राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाने का आह्वान किया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में केंद्रीय विद्युत अभियांत्रिकी सेवा (सीपीईएस) और भारतीय आर्थिक सेवा (आईईएस) के अधिकारियों से मुलाकात की और उन्हें राष्ट्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रपति ने कहा कि ये अधिकारी देश की प्रगति के अग्रिम पंक्ति में खड़े हैं और उनके निर्णय देश को मजबूत एवं आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होंगे। उन्होंने अधिकारियों को समर्पण और जुनून के साथ कार्य करने की सलाह दी तथा चुनौतियों को अवसर के रूप में स्वीकार करते हुए नवाचार और निरंतर सीखने की भावना बनाए रखने पर जोर दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि बिजली औद्योगिक विकास, नवाचार और जीवन स्तर में सुधार की आधारशिला है। यह सेवा उत्पादन, ट्रांसमिशन और वितरण के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है और देश की ऊर्जा संरचना को मजबूत करने में इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक और घरेलू परिदृश्य में आर्थिक नीति निर्माण और उसका प्रभावी क्रियान्वयन पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। इन अधिकारियों की भूमिका सतत विकास सुनिश्चित करने, महंगाई नियंत्रण, रोजगार सृजन और असमानताओं को कम करने में अहम होगी। उन्होंने अधिकारियों को सलाह दी कि वे हमेशा याद रखें कि हर आंकड़े के पीछे एक मानवीय कहानी छिपी होती है। आर्थिक नीति की असली कसौटी केवल आंकड़े नहीं, बल्कि उसके परिणाम होते हैं। इसका उद्देश्य लोगों के जीवन को बेहतर बनाना होना चाहिए, विशेष रूप से उन लोगों के जीवन को जो सबसे अधिक संवेदनशील हैं।

निर्वाचन आयोग का हावड़ा में विशाल 'स्वीप' कार्यक्रम

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में मतदाता जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हावड़ा में एक विशाल व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी (स्वीप-एसवीईईपी) जनसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया।

यह कार्यक्रम सीईओ और जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) के कार्यालयों के समन्वय से हो रहा है। निर्वाचन आयोग ने बंगाल के साथ-साथ असम, केरल, पुडुचेरी और तमिलनाडु में भी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर स्वीप गतिविधियों को तेज कर दिया है। यह अभियान 'चुनाव का पर्व, पश्चिम बंगाल का गर्व' विषय पर आधारित है, जिसका उद्देश्य लोकतंत्र के इस उत्सव को शांतिपूर्ण और आनंदमय बनाना है। अभियान की शुरुआत हावड़ा में साइक्लोथॉन से हुई। सुबह 7:00 बजे हावड़ा ब्रिज चेक पोस्ट से शुरू हुई इस रैली को रेल संग्रहालय होते हुए रामकृष्णपुर फेरी घाट तक ले जाया गया। इसमें स्कूल-कॉलेज के छात्रों, पहली बार मतदान करने वाले युवाओं और चुनाव आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रैली के समापन पर लोकगीतों, नृत्य और नाटकों के माध्यम से मतदान का महत्व समझाया गया। साथ ही, 'मतदाता जागरूकता नौका सेवा' जैसे अभिनव प्रयोगों की भी शुरुआत की गई। युवाओं और पहली बार के मतदाताओं को जोड़ने के लिए आयोग ने एनिमेटेड पात्र छोटा भीम और चुटकी को इस कार्यक्रम का हिस्सा बनाया।

प. एशिया संकट के बीच प्रधानमंत्री ने निर्णायक कदम उठाकर देशवासियों को दिया विश्वास : तरुण चुघ

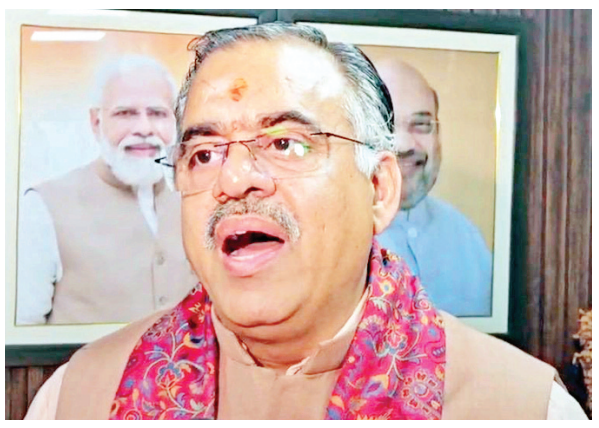

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक बाजारों में उथल-पुथल के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने निर्णायक कदम उठाकर देशवासियों में नया विश्वास पैदा किया है।

शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मजबूत नेतृत्व में भारत स्थिर, मजबूत और अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। चुघ ने बताया कि आम जनता को राहत देने के लिए केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की है, जिससे करोड़ों लोगों को सीधे फायदा मिला है और उन्हें वैश्विक कीमतों के झटकों से बचाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि देश की ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित रखने और घरेलू उपलब्धता को प्राथमिकता देने के लिए सरकार ने निर्यात शुल्क भी लगाया है-डीजल पर 21.5 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ (एविएशन टर्बाइन फ्यूल) पर 29.5 रुपये प्रति लीटर- जो 'इंडिया फर्स्ट' की नीति को दर्शाता है।

चुघ ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि जहां कुछ राजनीतिक दल केवल बयानबाजी करते हैं, वहीं प्रधानमंत्री मोदी समय पर और ठोस फैसलों के जरिए परिणाम देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने संसद को पूरी जानकारी दी है, जो पारदर्शिता, जवाबदेही और जिम्मेदार शासन को दर्शाता है। चुघ के अनुसार यही 'न्यू इंडिया' की पहचान है-मजबूत नेतृत्व, निर्णायक कार्रवाई और जनता के कल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता।

ममता बनर्जी का केंद्र पर निशाना, बोलीं राज्य में उत्पादित गैस बाहर न भेजी जाए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में रसोई गैस (एलपीजी) को बाहर नहीं भेजा जाना चाहिए, खासकर चुनाव के दौरान आम लोगों की आपूर्ति प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री विमान द्वारा कोलकाता से अंडाल के लिए रवाना हुईं। रवाना होने से पहले उन्होंने हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत में आशंका जताई कि चुनाव के माहौल में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों का तबादला कर राज्य में उत्पादित गैस को बाहर भेजा जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य में पेट्रोल है, गैस भी है। लेकिन हम नहीं चाहते कि अधिकारियों को बदलकर हल्दिया में उत्पादित गैस बाहर भेजी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव ड्यूटी के लिए बड़ी संख्या में बाहरी कर्मी और जवान राज्य में आएंगे, ऐसे में स्थानीय लोगों को गैस की कमी नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में केरोसिन की आपूर्ति बढ़ाई गई है ताकि जरूरत पड़ने पर लोगों को राहत मिल सके। हालांकि, अधिकांश लोग अब एलपीजी का उपयोग करते हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच देश में एलपीजी आपूर्ति को लेकर बनी चिंता पर केंद्र सरकार ने भरोसा दिलाया है कि कोई कमी नहीं होगी। इसी संदर्भ में बनर्जी ने राज्य के संसाधनों को बाहर भेजने के खिलाफ अपनी आपत्ति जताई। उन्होंने पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती को लेकर भी केंद्र की आलोचना की। उन्होंने कहा कि पहले कीमतें बढ़ाई जाती हैं और फिर थोड़ी छूट दी जाती है। इससे आम लोगों को वास्तविक राहत कितनी मिलती है, यह देखना होगा। मुख्यमंत्री ने मतदाता सूची को लेकर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में नाम हटाए गए हैं।

उन्होंने कहा कि पारदर्शिता के लिए पूरी सूची सार्वजनिक की जानी चाहिए ताकि लोग जान सकें कि किसका नाम है और किसका नहीं। उल्लेखनीय है कि, गुरुवार को खराब मौसम के कारण कोलकाता हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री का विमान निर्धारित समय पर नहीं उतर सका था और करीब डेढ़ घंटे तक हवा में चक्कर लगाना पड़ा। शुक्रवार को उन्होंने पायलट की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने हमारी जान बचाई। बनर्जी शनिवार को राज्य में तीन जनसभाओं को संबोधित करेंगी।

दिल्ली पुलिस अकादमी में पासिंग आउट परेड, 100 नए सिपाही बने बल का हिस्सा

कड़ी ट्रेनिंग के बाद ली शपथ, कानून-व्यवस्था संभालने को तैयार जवान

नई दिल्ली। दिल्ली के झरोड़ा कलां स्थित दिल्ली पुलिस अकादमी में शुक्रवार को 100 प्रशिक्षु कॉन्स्टेबलों (बैच नंबर-126) की पासिंग आउट परेड एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कड़ी ट्रेनिंग पूरी करने के बाद ये जवान अब राजधानी की कानून-व्यवस्था संभालने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। समारोह में उपनिदेशक राजबीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं ने आकर्षक परेड का प्रदर्शन किया और पुलिस सेवा की शपथ ली। इस मौके पर अकादमी के अधिकारी, प्रशिक्षुओं के परिजन और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण के दौरान पुलिस प्रक्रिया, आपराधिक कानून, अपराध विज्ञान, साइबर क्राइम और फॉरेंसिक साइंस की गहन जानकारी दी गई। वहीं, शारीरिक प्रशिक्षण के तहत अनआर्म्ड कॉम्बैट, फायरिंग, एंटी-टेरर ऑपरेशन, योग, खेल और फिटनेस गतिविधियों पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा दंगा नियंत्रण, आतंकवाद से निपटने, आपदा प्रबंधन, हथियार संचालन और कमांडो कोर्स के तहत विस्फोटक व आईईडी की जानकारी, रेड-एंबुश तकनीक और शहरी अभियान से जुड़े कौशल भी सिखाए गए। इस बीच अकादमी के अतिरिक्त निदेशक ऋछपाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि इस बैच में देश के विभिन्न राज्यों के प्रशिक्षु शामिल हैं। इनमें 15 दिल्ली, 28 हरियाणा, 25 उप्र, 24 राजस्थान, पांच मध्य प्रदेश और एक-एक पंजाब, उत्तराखंड व केरल से हैं। उन्होंने अनुशासन, टीमवर्क और जनसेवा के महत्व पर जोर दिया और सभी प्रशिक्षुओं को शपथ दिलाई।

समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को सम्मानित भी किया गया। सिपाही अमित कुमार को ऑल राउंड बेस्ट ट्रॉफी के साथ आउटडोर में पहला स्थान मिला। वहीं महिला सिपाही मुकेश रानी ने इंडोर में प्रथम स्थान हासिल किया। इसी क्रम में सिपाही रॉकी कुमार कमांडो ट्रेनिंग में अव्वल रहे, जबकि सिपाही वीरेंद्र सिंह और महिला सिपाही ज्योति पुलिस प्रक्रियाओं में प्रथम रहे। परेड कमांडर कॉन्स्टेबल रोहन चौधरी को आरआरयू सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम्स पर अंकुश लगाना जरूरी : दीपेंद्र हुड्डा

चंडीगढ़। देश में बच्चों और किशोरों में बढ़ती मोबाइल, सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम्स की लत को लेकर रोहतक सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने चिंता जताई। शुक्रवार को दीपेंद्र हुड्डा ने लोकसभा में इस विषय को उठाते हुए कहा कि अनियंत्रित स्क्रीन टाइम नई पीढ़ी के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है, इसलिए इस पर नियंत्रण के लिए सख्त कानून बनाए जाने की आवश्यकता है।

शून्य काल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए हुड्डा ने कहा कि आज बच्चे घंटों तक रील्स, वीडियो और ऑनलाइन गेम्स में व्यस्त रहते हैं, जिससे कम उम्र में ही मोबाइल की लत विकसित हो रही है। इसके परिणामस्वरूप बच्चों में नींद की कमी, चिंता, अवसाद और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता में गिरावट जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। लोकसभाध्यक्ष ने भी इस मुद्दे की गंभीरता को स्वीकार करते हुए हुड्डा की सराहना की और कहा कि शून्य काल में इसी प्रकार के जनहित से जुड़े विषय उठाए जाने चाहिए। वहीं सरकार ने भी आश्वासन दिया कि इस मांग पर ठोस कदम उठाए जाएंगे।

हुड्डा ने ऑनलाइन सट्टा आधारित गेम्स पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि 'एविएटर' जैसे बेटिंग गेम्स युवाओं को तेजी से अपनी चपेट में ले रहे हैं, जिससे आर्थिक नुकसान, मानसिक तनाव और अपराध की प्रवृत्ति बढ़ रही है। उन्होंने यह भी बताया कि ऐसे गेम्स का प्रचार फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर खुलेआम हो रहा है, जिसे नियंत्रित करना जरूरी है। दीपेंद्र हुड्डा ने सरकार से मांग की कि भारत में भी आयु सत्यापन, सुरक्षा मानकों और स्क्रीन टाइम सीमाओं को लेकर स्पष्ट और सख्त कानून बनाए जाएं।

गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन अनुष्ठान

मुख्यमंत्री योगी ने नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे, कराया भोज

गोरखपुर। मातृशक्ति के प्रति असीम श्रद्धाभाव से उनकी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए अनेक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने वाले मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने वासंतिक (चैत्र) नवरात्र की नवमी तिथि पर शुक्रवार को गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार कन्या पूजन किया। नवमी तिथि के अनुष्ठान की कड़ी में गोरखनाथ मंदिर के अन्न क्षेत्र में आयोजित कन्या पूजन अनुष्ठान में मुख्यमंत्री योगी ने नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे, उनका विधि विधान से पूजन किया, चुनरी ओढाई, आरती उतारी, श्रद्धापूर्वक भोजन कराया और दक्षिणा, उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने परंपरा का निर्वहन करते हुए बटुक पूजन भी किया।

शुक्रवार पूर्वाह्न, वासंतिक नवरात्र की नवमी तिथि के अनुष्ठान में गोरक्षपीठाधीश्वर ने सबसे पहले कुंवारी कन्याओं के पांव धोये। उनके माथे पर रोली, चंदन, अक्षत आदि का तिलक लगाया। दुर्वा से उनका अभिषेक किया, माला पहनाई। चुनरी ओढ़ाकर एवं दक्षिणा-उपहार प्रदान कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने अन्न क्षेत्र में सभी कुंवारी कन्याओं व बटुकों की श्रद्धाभाव से आरती भी उतारी। पूजन के बाद इन कन्याओं को मंदिर की रसोई में पकाया गया ताजा भोजन प्रसाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने हाथों से परोसा। आयोजन में आईं सभी कन्याओं को पूजनोपरांत चुनरी, दक्षिणा और उपहार दिया गया। कन्याओं के अतिरिक्त बड़ी संख्या में पहुंचे बटुकों को भी श्रद्धापूर्वक भोजन कराकर उपहार व दक्षिणा दिया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यह भी ख्याल रखते रहे कि किसी भी कन्या या बटुक की थाली में भोजन प्रसाद की कोई कमी न रहे। इसे लेकर वह मंदिर की व्यवस्था से जुड़े लोगों को निर्देशित करते रहे। कन्या पूजन अनुष्ठान के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ सहित कई संत व मंदिर प्रबंधन से जुड़े लोग उपस्थित रहे। कन्या पूजन से पूर्व प्रातःकाल के पूजन सत्र में मंदिर के शक्तिपीठ में मां सिद्धिदात्री की विधि-विधान से आराधना हुई।

चार वर्षीय बच्ची ने योगी आदित्यनाथ को भेंट किया 'बुलडोजर'

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ को शुक्रवार को कानपुर की 4 वर्षीय यशस्विनी सिंह ने 'गिफ्ट' भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। अपने माता-पिता के साथ गोरखनाथ मंदिर आयी यशस्विनी ने मुख्यमंत्री से कहा, पहले आंखें बंद करिए तो मैं आपको गिफ्ट भेंट करुं। इसके बाद यशस्विनी ने अपने साथ लायी एक छोटा सा बुलडोजर (खिलौना) मुख्यमंत्री के हाथों में सौंप दिया। बच्ची का गिफ्ट देख कर मुख्यमंत्री भी मुस्करा पड़े। नवरात्र पर्व पर गोरखपुर प्रवास पर आये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में थे। इसी बीच उनकी नजर अपने माता पिता के साथ आयी एक बच्ची पर पड़ी। उन्होंने उसे अपने पास बुलाया और चॉकलेट दी। मुख्यमंत्री से प्रभावित 4 वर्षीय यशस्विनी सिंह ने मुख्यमंत्री से कहा कि आपके लिए एक खास गिफ्ट लाए हैं, लेकिन आप पहले आंखें बंद करिए। मुख्यमंत्री ने मुस्कुराते हुए उसकी बात मान ली तो यशस्विनी ने मुख्यमंत्री के हाथों में गिफ्ट के रूप में एक छोटा सा बुलडोजर सौंप दिया। उपहार देख कर मुख्यमंत्री समेत सभी लोग बिना हंसे नहीं रह सके। उपहार देने के बाद यशस्विनी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ से कहा कि आपको बुलडोजर प्रिय है, इसलिए मैं आपको उपहार दे रही हूं। यशस्विनी सिंह कानपुर के प्रताप इंटरनेशनल कॉलेज में नर्सरी की छात्रा है। वह अपने पिता अभय सिंह राजावत व मां प्रियदम्वा सिंह के साथ गोरक्षपीठाधीश्वर से आशीर्वाद लेने के लिए गोरखपुर आई थी। यशस्विनी मुख्यमंत्री से मिलकर बहुत प्रसन्न नजर आई।

गोरक्षपीठ में सीएम योगी आदित्यनाथ ने मनाया प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव

गोरखपुर। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को दोपहर में श्रीरामनवमी के महापर्व पर विधि विधान से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया। उन्होंने प्रभु श्रीराम का पूजन किया, आरती उतारी और भगवान के बालस्वरूप रामलला को पालने में झूला-झुलाकर लोकमंगल की प्रार्थना की। इस अवसर पर मंदिर परिसर प्रभु श्रीराम के भजनों से गुंजायमान रहा।

वासंतिक (चैत्र) नवरात्र की नवमी तिथि पर शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन का अनुष्ठान पूर्ण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी मंदिर परिसर स्थित रामदरबार पहुंचे। यहां प्रतिष्ठित विग्रहों का पूजन किया और आरती उतारी। प्रभु राम के बालस्वरूप को फूलों से सजे पालने में विराजित कराया गया था। दोपहर के 12 बजते ही उन्होंने पालने में विराजमान रामलला की वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा अर्चना की। प्रभु के विग्रह को तिलक लगाने और माल्यार्पण करने के बाद आरती उतारी।

पूजन का अनुष्ठान पूर्ण करने के साथ योगी ने बालस्वरूप भगवान को श्रद्धाभाव से पालने में झुलाया। इसके बाद मुख्यमंत्री मंदिर परिसर के ओपन एयर थिएटर के मंच पहुंचे। यहां भी पालने में विराजित भगवान श्रीराम की विधिपूर्वक आराधना की और उन्हें झूला झुलाया। मंच पर उन्होंने भगवान राम, गुरु गोरखनाथ, महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ के चित्रों पर पुष्प अर्पित किए। अवसर पर मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि की प्रार्थना की।

गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं, पुलिस करे सख्त कार्रवाईः मुख्यमंत्री योगी

▸▸ जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं, समाधान का दिया भरोसा

गोरखपुर। सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान कमजोर वर्ग के लोगों को कतिपय दबंगों द्वारा डराने, धमकाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों से दो टूक कहा, 'गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, ऐसे तत्वों के खिलाफ तत्काल कड़ी कार्रवाई की जाए। यदि कोई अभियुक्त जमानत पर छूटने के बाद वादी को धमका रहा हो तो उसकी जमानत निरस्त कराने की कार्यवाही की जाए।'

गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश दिया और कहा कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान, सरकार का संकल्प है। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। अधिकारियों को निर्देशित करने के साथ ही सीएम योगी ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। अस्पताल से इलाज का एस्टीमेट मिलते ही सरकार धन उपलब्ध करा देगी। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को मुख्यमंत्री ने दुलारा और उन्हें चॉकलेट के साथ अपना आशीर्वाद भी दिया।

125 शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने की तैयारीः पुलिस अधीक्षक

जौनपुर। प्रशासन ने कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए बड़ी कार्रवाई शुरू की है। आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त और नियमों का उल्लंघन करने वाले करीब 125 लोगों के शस्त्र लाइसेंस निरस्त किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। जानकारी के अनुसार, उन लाइसेंसधारकों को चिन्हित किया जा रहा है जिनके खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं या जो किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों में लिप्त पाए गए हैं। सभी थानों से रिपोर्ट मांगी गई है, जिन्होंने लाइसेंस लेने से पहले या बाद में कानून का उल्लंघन किया है। जिले में लगभग 1500 शस्त्र लाइसेंसधारक हैं। इस संबंध में शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर पुलिस ऐसे लोगों की जानकारी जुटाने में जुटी है, जो बिना वैध कारण के हथियारों का प्रदर्शन करते हैं या आपराधिक घटनाओं से जुड़े हैं।

गंगा नदी के बामपुर घाट पर सात बच्चे बहे, तीन सुरक्षित निकाले गए दो के शव मिले और दो लापता

प्रयागराज। जिले में स्थित मांडा थाना क्षेत्र के बामपुर घाट पर शुक्रवार सुबह स्नान के दौरान बड़ा हादसा हो गया। हादसे के दौरान सात बच्चे गंगा नदी में डूब गए। स्थानीय मछुआरों की तत्परता से तीन बच्चों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि चार बच्चे गहरे पानी में बह गए। इनमें से दो बच्चों के शव बरामद कर लिया गया है, जबकि दो बच्चों की तलाश जारी है।

पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने बताया कि मांडा थाना क्षेत्र के बामपुर गांव निवासी मोहित (13) पुत्र दिग्विजय, दिव्यांशु (16) पुत्र कमलेश, अमन (9) पुत्र कृष्ण कुमार, कुनाल (12) पुत्र अनिल, निहाल (10) पुत्र अनिल, दीपक (17) पुत्र राजाराम और ऋषभ (10) पुत्र कमलेश शुक्रवार सुबह लगभग दस बजे बजे गंगा नदी के घाट पर स्नान करने गए थे। जहां स्नान करते समय अनचानक गहराई में चले गए और सभी बच्चे डूबने लगे। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद मछुआरे मौके पर पहुंचे और मोहित, दिव्यांशु तथा अमन को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। वहीं कुनाल, निहाल, दीपक और ऋषभ गंगा की तेज धारा में बह गए। काफी प्रयास के बाद कुनाल और दीपक के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि निहाल और ऋषभ का अब तक पता नहीं चल सका है। स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश अभियान जारी है।

सपा का प्रतिनिधिमंडल जौनपुर में पीड़ित परिवार से मिला, दो लाख का चेक सौंपा

जौनपुर। जिले में स्थित मल्हनी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत फूलपुर गांव में हाल ही में हुई एक दुखद घटना के बाद समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिलने शुक्रवार को उनके घर पहुंचा। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक सौंपा गांव निवासी ललई यादव की दबंगों द्वारा कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर गठित प्रतिनिधिमंडल ने जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य के नेतृत्व में पीड़ित परिवार से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में मल्हनी के विधायक लकी यादव, पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान, सदर विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष वीरेंद्र यादव, मल्हनी विधानसभा अध्यक्ष निजामुद्दीन सहित कई पदाधिकारी शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया और अखिलेश यादव की ओर से 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक सौंपा। इस मौके पर जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य, विधायक लकी यादव और पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने संयुक्त रूप से कहा कि समाजवादी पार्टी हर पीड़ित के साथ खड़ी है और उन्हें न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।

शाही जामा मस्जिद से जुड़े कब्रिस्तान की भूमि से बेदखल करने के संभल प्रशासन की नोटिस पर रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने संभल के शाही जामा मस्जिद से जुड़े क़ब्रिस्तान की भूमि से बेदख़ल करने के संभल जिला प्रशासन के नोटिस पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों को मौक़े पर यथास्थिति क़ायम रखने का निर्देश दिया है। 1 जनवरी 2026 को जारी संभल प्रशासन के नोटिस पर रोक लगाते हुए हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब माँगा है।

यह आदेश जस्टिस जस्टिस मनीष कुमार निगम ने अली अशरफ द्वारा दाख़िल याचिका पर पारित किया है। याचिका दाख़िल का अधिवक्ता अरविंद कुमार त्रिपाठी एवं शशांक श्रीत्रिपाठी का कहना था कि प्रशासन ने बिना विवेक का इस्तेमाल किए यह नोटिस जारी की है। उनका कहना था कि नोटिस किस प्रावधान में जारी किया गया है, इसका कोई उल्लेख नहीं है। कहा कि क़ब्रिस्तान के एक हिस्से को बिना किसी आदेश के आबादी घोषित कर हिंदुओं की आबादी बताया गया है, जबकि दूसरे हिस्से को जो क़ब्रिस्तान है उसे क़ब्ज़ा बताकर ख़ाली कराने को कहा गया है। अधिवक्ता त्रिपाठी का कहना था कि इसके पूर्व *१ दिसम्बर २५ को इसी कब्रिस्तान को लेकर जो कल्कि सेना ने शिकायत की थी, उस पर हाईकोर्ट की डबल बेंच ने याची के पक्ष में आदेश दिया था और कहा था कि सभी पक्ष की उपस्थिति में मौक़े की पैमाइश करके निर्णय लिया जाय। कहा गया कि पक्षकारों को सुनकर प्रशासन को इस मामले में निर्णय लेना था, परंतु ऐसा न कर कोर्ट के आदेश की अनदेखी कर अगले ही दिन 1 जनवरी २६ को क़ब्रिस्तान की भूमि ख़ाली कराने की नोटिस दे दी गई है।

हाईकोर्ट ने प्रशासन द्वारा जारी नोटिस पर रोक लगाते हुए कहा कि प्रशासन का यह नोटिस बिना किसी प्रावधान का उल्लेख किए जारी किया गया है तथा हाईकोर्ट द्वारा पारित आदेश के क्रम में बिना निर्णय लिए जल्दबाज़ी में किया गया है। हाईकोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के लिए छह मई की तारीख़ नियत की है।

टोल-फ्री नंबर 14447 पर दें फसल के नुकसान की जानकारी

लखनऊ। किसान टोल-फ्री नंबर 14447 पर फसल नुकसान की तत्काल सूचना दे सकते हैं। प्रदेश में संचालित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल क्षति की सूचना देने तथा योजनाओं के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए किसानों को विभिन्न डिजिटल माध्यम उपलब्ध कराए गए हैं। अब किसान फसल नुकसान की तत्काल सूचना देने या जानकारी प्राप्त करने के लिए टोल-फ्री नंबर 14447 का प्रयोग कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, 'क्रॉप-इन्श्योरेन्स ऐप' (Crop-Insurance-App) और व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर 7065514447 के माध्यम से भी सूचना साझा की जा सकती है। कृषक योजनाओं से संबंधित आधिकारिक जानकारी के लिए फसल बीमा पोर्टल https://pmfby.gov.in पर भी लॉग-इन कर सकते हैं। इन सभी डिजिटल माध्यमों के अतिरिक्त यदि किसानों को फसल बीमा से संबंधित किसी भी समस्या का सामना करना पड़ता है, तो वे त्वरित समाधान के लिए अपने जनपद के उप कृषि निदेशक या जिला कृषि अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। साथ ही, संबंधित जनपद में कार्यरत बीमा कंपनी के प्रतिनिधि से भी सीधे संपर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है। योगी सरकार का उद्देश्य इन माध्यमों के जरिए किसानों को आपदा की स्थिति में समयबद्ध तरीके से राहत पहुँचाना और बीमा प्रक्रियाओं को अधिक सुलभ बनाना है।

युवाओं को तकनीक और उद्यमिता से जोड़कर नए रोजगार होंगे सृजित : सूर्य प्रताप शाही

कानपुर। युवाओं को तकनीक के जरिए अपने उद्यम स्थापित करने चाहिए और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देना होगा। प्रदेश में एमएसएमई और कृषि के संयुक्त प्रयासों से नए रोजगार के अवसर तैयार किए जा रहे हैं। सरकार युवाओं को स्वरोजगार के लिए लगातार प्रोत्साहित कर रही है। दलहन-तिलहन के उत्पादन बढ़ाने और पोषण सुधार पर भी विशेष फोकस किया जा रहा है। यह बातें शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कही।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में गोल्डन जुबली वर्ष के अवसर पर तीन दिवसीय उद्यमिता कॉनक्लेव का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। कार्यक्रम में कुलपति के. विजयेंद्र पांडियन ने अतिथियों का स्वागत किया और विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विश्वविद्यालय ने एचवीटीयू, आईआईटी कानपुर और एफएफडीसी कन्नौज के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए। साथ ही एमएसएमई और विश्वविद्यालय के इतिहास पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। प्रदर्शनी में 150 से अधिक स्टॉल लगाए गए, जिनमें विभिन्न आधुनिक तकनीकों और नवाचारों का प्रदर्शन किया गया।

विशिष्ट अतिथि और प्रदेश सरकार के लघु, सूक्ष्म, खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान ने कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से युवाओं को विशेषज्ञों के व्याख्यान सुनने का अवसर मिलेगा, जिससे वे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 19 लाख 40 हजार युवाओं को ऋण देकर आत्मनिर्भर बनाया गया है।

अयोध्या में धूमधाम से मनाई गई रामनवमी रामलला का 'सूर्य तिलक' बना आकर्षण का केंद्र

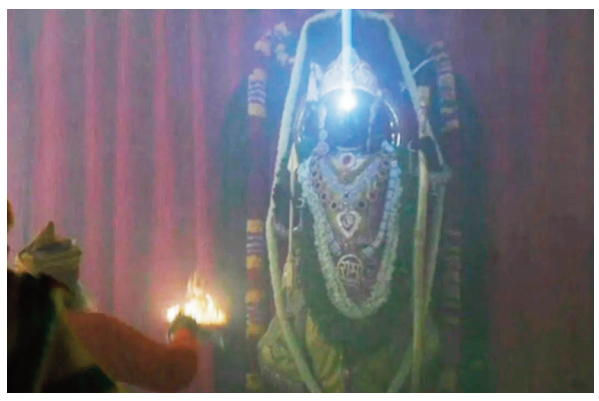

अयोध्या। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी का पर्व शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में अत्यधिक भव्यता और श्रद्धा के साथ मनाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार इस अवसर पर 10 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, राम मंदिर में दोपहर 12 बजे वैज्ञानिक तकनीक की मदद से रामलला का 'सूर्य तिलक' किया गया। इस दौरान करीब नौ मिनट तक सूर्य की किरणें सीधे भगवान के ललाट पर पड़ीं।

गर्भगृह में 14 पुजारियों ने वैदिक परंपरा के अनुसार अनुष्ठान संपन्न किए। समारोह के उपरांत मंदिर के कपाट कुछ समय के लिए बंद कर भगवान को 56 व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। श्रीराम की प्रतिमा की स्थापना के बाद यह दूसरा 'सूर्य तिलक' समारोह था। रामनवमी का पर्व चैत्र नवरात्र के नौवें दिन मनाया जाता है, यह भगवान श्रीराम के जन्म का प्रतीक पर्व है। सुबह सूर्योदय के साथ ही उत्सव की शुरुआत सूर्य आराधना से हुई, जबकि दोपहर में भगवान के जन्म के समय सभी मंदिरों में विशेष पूजन और अनुष्ठान आयोजित किए गए। अयोध्या के पुजारी अनुराग शुक्ला ने बताया कि श्रद्धालुओं ने भक्ति गीत गाए और पालने में विराजमान रामलला की प्रतिमा को झुलाकर जन्मोत्सव मनाया। इस अवसर पर भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान की रथयात्राएं विभिन्न मंदिरों से निकाली गईं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सरयू नदी के तट पर पवित्र स्नान किया, जबकि कई श्रद्धालुओं ने व्रत भी रखा। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर अयोध्या को विभिन्न जोन और सेक्टरों में बांटा गया था। अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गौरव ग्रोवर ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए यातायात में बदलाव किया गया और भारी वाहनों का मार्ग पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की ओर मोड़ा गया।

उन्होंने बताया कि अर्धसैनिक बलों, पीएसी और स्थानीय पुलिस के साथ जल पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीमें भी तैनात रहीं, जिन्होंने विशेष रूप से सरयू नदी के आसपास निगरानी रखी। गर्मी से तीर्थयात्रियों को राहत दिलाने के लिए राम मंदिर और हनुमानगढ़ी सहित प्रमुख स्थानों पर छांव और चटाई की व्यवस्था की गई थी। सभी प्रमुख स्थलों पर पीने का पानी उपलब्ध कराया गया था।

रामनवमी अवकाश के कारण राहुल गांधी से जुड़े मानहानि मामले की सुनवाई टली

सुलतानपुर। सुलतानपुर की सांसद/विधायक अदालत में राहुल गांधी से जुड़े मानहानि मामले की सुनवाई शुक्रवार को रामनवमी के अवकाश के कारण नहीं हो सकी और अब अगली तारीख 28 मार्च तय की गई है। एक अधिवक्ता ने यह जानकारी दी। वादी पक्ष के अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि शुक्रवार को मामले में सुनवाई निर्धारित थी, लेकिन अवकाश के कारण कोई कार्रवाई नहीं हुई और अब शनिवार को सुनवाई होगी।

उन्होंने बताया कि पिछली पेशी पर अदालत में एक प्रार्थना पत्र दिया गया था, जिसमें मांग की गई थी कि राहुल गांधी के कथित बयानों से जुड़े ऑडियो और वीडियो साक्ष्यों का मिलान उनकी वास्तविक आवाज से कराया जाए। वादी की अनुपस्थिति के कारण अदालत ने 27 मार्च की तारीख तय की थी। भाजपा नेता विजय मिश्रा ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी ने 2018 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसके संबंध में यह मानहानि वाद दायर किया गया। मिश्रा ने अक्टूबर 2018 में यह परिवाद दाखिल किया था।

इस मामले में 20 फरवरी 2024 को राहुल गांधी ने अदालत में आत्मसमर्पण किया था, जिसके बाद विशेष न्यायाधीश ने उन्हें 25-25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दी थी। इसके बाद 26 जुलाई 2024 को राहुल गांधी ने पुनः अदालत में उपस्थित होकर अपना बयान दर्ज कराया और खुद को निर्दोष बताते हुए इसे राजनीतिक साजिश करार दिया। उनके बयान के बाद अदालत ने वादी पक्ष को साक्ष्य प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे, जिसके तहत लगातार गवाह पेश किए जा रहे हैं।

RCB की नजर खिताब बचाने पर, CSK KKR और मुंबई इंडियंस भी प्रबल दावेदार

- मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के पास कुल मिलाकर 13 आईपीएल खिताब हैं। लेकिन पिछला सत्र उनके लिए अच्छा नहीं रहा था।
- राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटन्स अपने नाम पर एक और खिताब जोड़ने की कोशिश करेंगे, जबकि दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपरजायंट्स अपना पहला खिताब जीतने के लिए मैदान पर उतरेंगे।

बेंगलुरु। मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) शनिवार से यहां शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपना खिताब बचाने के लिए प्रतिबद्ध होगा जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस अपनी खोई प्रतिष्ठा हासिल करने की कोशिश करेंगे। आईपीएल में अगले दो महीनों में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के साथ कुछ युवा खिलाड़ियों पर भी नजर रहेगी जो अच्छा प्रदर्शन करके अपनी छाप छोड़ने में कोई कसर नहीं रखेंगे।

आरसीबी टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद की मेजबानी करेगा और उसका लक्ष्य शानदार शुरुआत करना होगा। लेकिन इस मैच से पहले माहौल थोड़ा गंभीर बना हुआ है क्योंकि पिछले साल चार जून को आरसीबी के खिताब जीतने के जश्न के दौरान स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई थी। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और आरसीबी प्रबंधन ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जान गंवाने वाले लोगों की स्मृति को बनाए रखने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। केएससीए ने स्टेडियम में 11 सीटें स्थायी रूप से खाली छोड़ने की घोषणा की है। इस स्टेडियम को आईपीएल मैचों की मेजबानी के लिए राज्य सरकार से अनुमति मिलने से पहले कई अनिश्चित महीनों का सामना करना पड़ा था। आरसीबी के खिलाड़ी पहले मैच के दिन अभ्यास सत्र के दौरान 11 नंबर की जर्सी पहनेंगे। जहां तक मैच का सवाल है तो आरसीबी और सनराइजर्स दोनों के पास गेंदबाजी संसाधनों की कमी है। आरसीबी को जोश हेजलवुड और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल के बिना खेलना होगा। दोनों ने 2025 के विजयी अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन विभिन्न कारणों से इस वर्ष वे अधिकतर मैचों में बाहर रहेंगे। हेजलवुड ऑस्ट्रेलिया में चोट से उबरकर पूरी तरह फिट होने के लिए प्रयास कर रहे हैं और वह बाद में टीम में शामिल हो सकते हैं। यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे दयाल पूरे सत्र से बाहर रहेंगे।

आरसीबी को अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार, स्पिनर क्रुणाल पंड्या, सुयश शर्मा और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मंगेश यादव पर काफी हद तक निर्भर रहना होगा। सनराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस भी शुरुआती चरण में टीम में नहीं होंगे। ईशान किशन को कार्यवाहक कप्तान बनाया गया है। लेकिन सनराइजर्स के बैकअप विकल्प ज्यादा भरोसेमंद नहीं लगते। ब्रायडन कार्स, जयदेव उनादकट, हर्षल पटेल और हर्ष दुबे को सपाट पिचों पर कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। दोनों टीमें अपनी गेंदबाजी की कमजोरी का बल्लेबाजी से भरपाई करना चाहेंगी। आरसीबी के पास विराट कोहली, टिम डेविड, फिल साल्ट, जैकब बेथेल, कप्तान रजत पाटीदार, रोमारियो शेफर्ड जैसे बल्लेबाज हैं जबकि सनराइजर्स के पास भी ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, किशन और हेनरिक क्लासेन के रूप में धाकड़ बल्लेबाज हैं। मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के पास कुल मिलाकर 13 आईपीएल खिताब हैं। लेकिन पिछला सत्र उनके लिए अच्छा नहीं रहा था। मुंबई की टीम पिछले सत्र में चौथे स्थान पर रहकर प्लेऑफ में पहुंची थी। पांच बार की चैंपियन यह टीम अपने इस प्रदर्शन में सुधार करने की कोशिश करेगी। केकेआर और सीएसके क्रमशः आठवें और दसवें स्थान पर रहे थे।

उन्होंने अपनी टीमों में काफी बदलाव किया है। सीएसके ने राजस्थान रॉयल्स के पूर्व कप्तान संजू सैमसन को टीम में शामिल किया तथा मैट हेनरी और नूर अहमद को भी टीम में जोड़ा है। सीएसके की टीम महेंद्र सिंह धोनी से संभवतः आखिरी बार शानदार प्रदर्शन की उम्मीद करेंगी, जिन्होंने आईपीएल में अपने भविष्य को लेकर संशय बनाए रखा है। केकेआर ने टिम सीफर्ट, फिन एलन, रचिन रविंद्र और कैमरन ग्रीन को शामिल करके अपनी बल्लेबाजी को मजबूती दी है। कप्तान अजिंक्य रहाणे शीर्ष क्रम में टीम को एकजुट रखने की भूमिका निभाएंगे और उप-कप्तान रिंकू सिंह को उस फिनिशर की भूमिका में ढलना होगा जो आंद्रे रसेल ने 2014 से लेकर पिछले साल संन्यास लेने से पहले तक निभाई थी। गेंदबाजी में उनके पास वरुण चक्रवर्ती और सुनील नारायण के रूप में दो तुरुप के पत्ते हैं, लेकिन उनका तेज गेंदबाजी विभाग कमजोर है। राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटन्स अपने नाम पर एक और खिताब जोड़ने की कोशिश करेंगे, जबकि दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपरजायंट्स अपना पहला खिताब जीतने के लिए मैदान पर उतरेंगे।

इस आईपीएल में कोहली और रोहित पर भी नजर टिकी रहेगी। इन दोनों को कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है लेकिन वे हमेशा की तरह दर्शकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे। कोहली ने पिछले साल आरसीबी की आईपीएल में पहली खिताबी जीत के साथ अपने शानदार रिकॉर्ड में एक और ट्रॉफी जोड़ ली। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह खिलाड़ी अपने पूर्व के प्रदर्शन को दोहराने में सफल रहता या नहीं। कोहली की चुनौती खुद से भी होगी। जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू वनडे श्रृंखला के बाद उन्हें भरपूर आराम मिल चुका है। रोहित ने भी अपना आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। एक बल्लेबाज के रूप में उन्होंने आईपीएल में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है। इस 38 वर्षीय खिलाड़ी का किसी एक सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 538 रन है।

वह अपने इस रिकॉर्ड को सुधारना चाहेंगे और साथ ही मुंबई को उसका छठा खिताब दिलाने में भी अहम भूमिका निभाना चाहेंगे। पिछली प्रतियोगिताओं की तरह इस बार भी कई ऐसे खिलाड़ी अपना प्रभाव छोड़ने की कोशिश करेंगे जिन्होंने अभी तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। इन खिलाड़ियों में बिल्ली कैपिटल्स के औकिब नबी, राजस्थान रॉयल्स के कार्तिक शर्मा, सीएसके के प्रशांत वीर आदि शामिल है। क्या वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहेंगे या फिर जाने-माने खिलाड़ियों की ही तूती बोलेगी, अगले 65 दिनों में इसका जवाब मिल जाएगा।

किलियन एमबापे के गोल से फ्रांस ने ब्राजील को हराया

फॉक्सबोरो (अमेरिका)। स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबापे के गोल की मदद से फ्रांस ने विश्व कप फुटबॉल से पहले एक महत्वपूर्ण मैत्री मैच में ब्राजील को 2-1 से हराया। एमबापे इस मैच से पहले घुटने की चोट से जूझ रहे थे लेकिन उन्होंने दिखाया कि फिलहाल वह इस समस्या से परेशान नहीं हैं। उन्होंने 65वें मिनट में मैदान छोड़ने से पहले एक महत्वपूर्ण गोल किया। स्टेडियम में मौजूद 66215 दर्शक ब्राजील का समर्थन कर रहे थे लेकिन एमबापे (32वें मिनट) और ह्यूगो एकितिके (65वें) ने गोल करके फ्रांस को उस मैदान पर 2-0 की बढ़त दिला दी, जहां वह विश्व कप के ग्रुप चरण के अपने अंतिम मैच में नॉर्वे का सामना करेगा। ब्राजील की तरफ से एकमात्र गोल ब्रेमर ने 78वें मिनट में किया लेकिन इससे वह हार का अंतर ही कम कर पाये। ब्राजील अब मंगलवार को ऑरलैंडो, फ्लोरिडा में क्रोएशिया के खिलाफ खेलेगा, जो इन दोनों टीम के बीच 2022 के विश्व कप क्वार्टर फाइनल के बाद पहला मुकाबला होगा। फ्रांस रविवार को मैरीलैंड के लैंडओवर में कोलंबिया के खिलाफ मैत्री मैच खेलेगा।

मियामी ओपन 2026: कोको गॉफ का शानदार प्रदर्शन, मुचोवा को हराकर फाइनल में पहुंचीं

मैक्सिको सिटी। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने दमदार खेल दिखाते हुए मियामी ओपन 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में गॉफ ने चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा को एकतरफा अंदाज में 6-1, 6-1 से हराया।

विश्व नंबर-4 गॉफ की शुरुआत भले ही धीमी रही और मुचोवा ने पहला गेम ब्रेक करते हुए बढ़त बनाई, लेकिन इसके बाद मुकाबले में गॉफ का पूरी तरह दबदबा देखने को मिला। उन्होंने तुरंत वापसी करते हुए स्कोर बराबर किया और फिर लगातार गेम जीतते हुए पहला सेट एकतरफा तरीके से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी मुचोवा लय हासिल नहीं कर सकीं। उनसे कई अनफोर्स्ड एरर हुए, जिसका पूरा फायदा उठाते हुए गॉफ ने तीन बार उनका सर्विस ब्रेक किया और मुकाबले को आसानी से जीत लिया। इस जीत के साथ गॉफ ने मुचोवा के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 6-0 कर लिया है।

मुचोवा इस मुकाबले से पहले शानदार फॉर्म में थीं। उन्होंने इस सीजन दोहा में खिताब जीता था और मियामी ओपन के क्वार्टरफाइनल में विक्टोरिया म्बोको को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची थीं, लेकिन गॉफ के सामने उनका प्रदर्शन फीका रहा। अब फाइनल में कोको गॉफ का मुकाबला वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका से होगा, जहां दोनों खिलाड़ियों के बीच खिताब के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है।

भारतीय कंपाउंड मिश्रित टीम ने स्वर्ण पदक जीता

बैंकॉक। भारत के कंपाउंड तीरंदाजों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को यहां एशिया कप-विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट के पहले चरण में मिश्रित टीम का स्वर्ण पदक और महिला टीम का रजत पदक जीतकर अपने पदकों की संख्या चार कर ली। भारत ने इस तरह से अब इस प्रतियोगिता में एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीत दिए हैं। कांस्य पदक बुधवार को महिला रिकर्व टीम और पुरुष कंपाउंड टीम ने जीते थे।

भारत को दिन में बाद में होने वाले अन्य फाइनल में भाग लेने के साथ चार और पदक मिलना सुनिश्चित है। सुबह के सत्र का मुख्य आकर्षण चिकिता तनिपार्थी और रजत चौहान की शीर्ष वरीयता प्राप्त मिश्रित टीम जोड़ी थी, जिन्होंने स्वर्ण पदक मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशिया को 158-156 से हराया। सटीकता और संयम से भरे इस मुकाबले में अंतर बहुत कम रहा क्योंकि भारत ने 16 तीरों में सिर्फ दो , जबकि मलेशिया ने चार अंक गंवाए। भारतीय जोड़ी ने लगातार चार 10 अंक हासिल करके शानदार शुरुआत की और बीच के चरण में कुछ मामूली चूक के बावजूद अपनी लय बरकरार रखी।

तीन सेट के बाद उन्होंने 118-117 के मामूली अंतर से एक अंक की बढ़त बना ली। मलेशिया की फातिन नूरफतेहा मैट सालेह और मोहम्मद जुवैदी माजुकी की जोड़ी ने तीसरे सेट में कुछ समय के लिए बढ़त हासिल कर ली थी। तब उन्होंने 40 का परफेक्ट स्कोर बनाया, जबकि भारत 39 अंक ही बना सका। भारतीय जोड़ी ने हालांकि अंतिम सेट में अपने अनुभव का अच्छा इस्तेमाल किया तथा लगातार चार 10 अंक हासिल करके अपनी जीत सुनिश्चित की।

मलेशिया की टीम इस सेट में 39 अंक ही बना पाई जिससे भारत को दो अंकों से जीत मिल गई। चिकिता, राज कौर और तेजल साल्वे की भारतीय महिला कंपाउंड टीम को फाइनल में कजाकिस्तान की विक्टोरिया ल्यां, डायना युनुसोवा और रोक्साना युनुसोवा से 227-229 से हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय महिला टीम पिछली बार कांस्य पदक ही जीत पाई थी और इस तरह से उसने अपने प्रदर्शन में सुधार किया। भारत ने मजबूत शुरुआत की और 12 तीरों के बाद आधे चरण में 115-113 की बढ़त बना ली।

तीसरे सेट में हालांकि भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वह 54 अंक ही बना सकी जबकि कजाकिस्तान की टीम ने 58 अंक बनाए। इस तरह से उसने 171-169 की बढ़त हासिल कर ली। चौथे और अंतिम सेट में दोनों टीम ने समान 58 अंक बनाए और इस तरह से भारतीय टीम को तीसरे सेट के खराब प्रदर्शन के कारण रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा।

इटली ने उत्तरी आयरलैंड को हराया, स्वीडन भी जीता

लंदन। इटली ने प्लेऑफ के पहले मैच में उत्तरी आयरलैंड को 2-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। चार बार के चैंपियन इटली को अब विश्व कप के लिए लगातार तीसरी बार क्वालीफाई करने से चूकने से बचने के लिए एक और मैच जीतना होगा।

बर्गामो में खेले गए इस मैच में इटली की तरफ से सैंड्रो टोनाली ने दूसरे हाफ की शुरुआत में हाफ-वॉली शॉट से पहला गोल करके गतिरोध तोड़ा और फिर मोइसे कीन ने एक और गोल करके उसकी जीत सुनिश्चित की। बोस्निया और हर्जेगोविना, स्वीडन, पोलैंड, तुर्किए, कोसोवो, डेनमार्क और चेक गणराज्य भी मंगलवार को होने वाले प्लेऑफ फाइनल में जगह बनाने में कामयाब रहे। इटली को अब बोस्निया और हर्जेगोविना का दौरा करना होगा, जहां उसे अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप में अपनी जगह पक्की करने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। बोस्निया ने वेल्स को और चेक गणराज्य ने पेनल्टी शूटआउट में आयरलैंड को हराया।

प्लेऑफ के फाइनल मुकाबले में चेक गणराज्य का सामना डेनमार्क से, स्वीडन का पोलैंड से और तुर्किए का कोसोवो से होगा। विक्टर ग्योकेरेस ने हैट्रिक लगाकर स्वीडन को यूक्रेन के खिलाफ 3-1 से जीत दिलाई, जबकि उन्होंने 2024 के बाद से अपने देश के लिए कोई गोल नहीं किया था। यह मैच स्पेन में खेला गया क्योंकि यूक्रेन ने 2022 में रूस के हमले के बाद से अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी नहीं की है। पोलैंड ने अल्बानिया को 2-1 से हराया जिसमें 37 वर्षीय रॉबर्ट लेंवाडोवस्की का हेडर से किया गया गोल भी शामिल है।

डब्ल्यूटीओ की विवाद निपटान प्रणाली को कार्यशील बनाने की जरूरत: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सदस्य देशों से विवाद निपटान प्रणाली को पूरी तरह से कार्यशील बनाने की दिशा में काम करने का आह्वान किया है। इसका कारण वर्तमान में यह व्यवस्था निष्क्रिय है, जिससे देशों को विवादों के प्रभावी निपटान से वंचित होना पड़ रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में सुधारों को पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से लागू करने का आह्वान किया।

उन्होंने अपने संबोधन में विकास को केंद्र में रखे जाने की बात कही। गोयल 26 मार्च से अफ्रीकी देश कैमरून के याउंडे में आयोजित विश्व व्यापार संगठन के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। डब्ल्यूटीओ के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) के पहले दिन गोयल ने कहा कि ई-कॉमर्स व्यापार पर सीमा शुल्क रोक को आगे बढ़ाने के संबंध में सावधानीपूर्वक पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''एक निष्क्रिय विवाद निपटान प्रणाली ने सदस्य देशों को विवादों के प्रभावी निपटान से वंचित कर दिया है। हमें स्वचालित और बाध्यकारी विवाद निपटान प्रणाली को बहाल करना होगा।'' डब्ल्यूटीओ की विवाद निपटान व्यवस्था 2009 से ठीक से काम नहीं कर रही है क्योंकि अमेरिका ने अपीलीय निकाय में सदस्य देशों की नियुक्तियों में बाधा डाली है। भारत ने सीमा शुल्क स्थगन के दायरे पर चर्चा करने की आवश्यकता पर बार-बार बल दिया है, क्योंकि इससे राजस्व पर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा, ''इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन को लेकर सीमा शुल्क पर स्थगन के दायरे के मामले में सदस्यों के बीच आम सहमति के अभाव में और इसके संभावित महत्वपूर्ण प्रभावों को देखते हुए इस स्थगन के निरंतर विस्तार पर सावधानीपूर्वक पुनर्विचार की आवश्यकता है।'' विश्व व्यापार संगठन के सदस्य देशों ने 1998 से 'इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन' पर सीमा शुल्क नहीं लगाने पर सहमति व्यक्त की है। इस रोक को समय-समय पर मंत्रिस्तरीय सम्मेलनों में बढ़ाया गया है। डब्ल्यूटीओ का मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 166 सदस्यों का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है। डब्ल्यूटीओ सुधारों पर मंत्री ने कहा कि आवश्यक सुधार एक पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से किए जाने चाहिए।

इसमें विकास को केंद्र में रखा जाए और गैर-भेदभाव, आम सहमति आधारित निर्णय लेने और समानता जैसे मूलभूत सिद्धांतों को बनाए रखा जाए। मंत्री ने कहा, ''हम रचनात्मक रूप से इस बात के लिए प्रयासरत रहेंगे कि डब्ल्यूटीओ वैश्विक व्यापार का केंद्र बना रहे। हम इसमें सुधार करने का प्रयास करेंगे ताकि यह जवाबदेह बना रहे, विकास, समानता और समावेश के लक्ष्यों को पूरा करने में सक्षम हो और आम सहमति और बहुपक्षवाद पर आधारित होकर गरीब, कमजोर और हाशिए पर रहने वाले लोगों के हितों की बेहतर सेवा कर सके।'' एमसी14 बैठकों के पहले दिन के दौरान गोयल ने कैमरून के प्रधानमंत्री डायोन न्यूटे जोसेफ से मुलाकात की और भारत-कैमरून सहयोग को और मजबूत करने के उपायों सहित द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। वाणिज्य मंत्री ने विश्व व्यापार संगठन की महानिदेशक के साथ भी द्विपक्षीय बैठक की, जिसमें चर्चाएं मुख्य रूप से एमसी14 के एजेंडे पर केंद्रीत रहीं। एचसीआईएम ने नीदरलैंड, फ्रांस और इथियोपिया के अपने समकक्षों के साथ भी द्विपक्षीय बैठकें कीं और द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को और गहरा करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

इसके अलावा वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने भी 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) के दौरान चिली, पराग्वे, अमेरिका, नेपाल, फिलीपींस, सऊदी अरब, यूरोपीय संसद के प्रतिनिधिमंडल, मेक्सिको, पेरू, रूस, न्यूजीलैंड और यूरोपीय संघ के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। इन बैठकों में चर्चा एमसी-14 के एजेंडे के साथ-साथ द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को सुदृढ़ करने के विकल्पों पर केंद्रित रहीं। चिली और पेरू के साथ दोनों पक्षों ने भारत-चिली एफटीए वार्ता और भारत-पेरू एफटीए वार्ता की प्रगति पर चर्चा की।

अदालत ने रिलायंस इंडस्ट्रीज व मुकेश अंबानी के खिलाफ CBI जांच की याचिका खारिज की

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और उसके चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि कंपनी ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ओएनजीसी के कृष्णा-गोदावरी बेसिन क्षेत्रों से प्राकृतिक गैस का अवैध रूप से निकाला गया है।

मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति सुमन श्याम की पीठ ने याचिकाकर्ता जितेंद्र मारू की याचिका को खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता ने चोरी, बेईमानी, गबन और आपराधिक विश्वासघात जैसे अपराधों के लिए प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी। अदालत के आदेश की प्रति अभी उपलब्ध नहीं हुई है। जितेंद्र मारू के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कथित तौर पर 2004 से 2013 के बीच बड़े पैमाने पर संगठित धोखाधड़ी करते हुए अपने अनुबंधित गहरे समुद्री कुओं से ड्रिलिंग कर ओएनजीसी के क्षेत्रों के पास स्थित कुओं से अवैध रूप से प्राकृतिक गैस निकाली। याचिका में दावा किया गया कि ओएनजीसी ने 2013 में इस कथित अनधिकृत दोहन का पता लगाया था और इसकी सूचना भारत सरकार को दी थी। याचिकाकर्ता जितेंद्र मारू ने अपनी याचिका में परामर्श कंपनी डीगोलियर एंड मैकनॉटन द्वारा की गई स्वतंत्र जांच और सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति ए. पी. शाह समिति की रिपोर्ट का हवाला दिया। इन रिपोर्टों में निष्कर्ष निकाला गया था कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने ओएनजीसी के भंडार से गैस निकाली थी।

रुपया 86 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 94.82 प्रति डॉलर पर पहुंचा

मुंबई। रुपया शुक्रवार को 86 पैसे टूटकर 94.82 (अस्थायी) प्रति डॉलर के अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। तेल की ऊंची कीमतों और पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर बनी अनिश्चितताओं के बीच अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से घरेलू मुद्रा पर दबाव बना हुआ है।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में आई तेज गिरावट और विदेशी निवेशकों (एफआईआई) द्वारा लगातार निकासी से स्थानीय मुद्रा पर और दबाव पड़ा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.18 प्रति डॉलर पर खुला और पहली बार 94.50 के स्तर को पार कर गया। अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.82 (अस्थायी) पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 86 पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को 20 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर 93.96 पर बंद हुआ था। राम नवमी के कारण बृहस्पतिवार को शेयर, विदेशी मुद्रा, जिंस और सर्राफा बाजार बंद थे। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 100 पर रहा। घरेलू शेयर बाजारों बीएसई सेंसेक्स 1,690.23 अंक यानी 2.25 प्रतिशत टूटकर 73,583.22 अंक जबकि एनएसई निफ्टी 486.85 अंक यानी 2.09 प्रतिशत फिसलकर 22,819.60 अंक पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 109.8 डॉलर प्रति बैरल रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने 1,805.37 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति बढ़ी, प्रमुख उद्योगों को प्राथमिकता

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राज्यों के लिए वाणिज्यिक एलपीजी के आवंटन में 20 प्रतिशत की वृद्धि की है। इस्पात और वाहन क्षेत्र सहित अन्य औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने के लिए अब कुल कोटा बढ़कर युद्ध शुरू होने से पहले की मांग के 70 प्रतिशत स्तर पर पहुंच गया है। पेट्रोलियम सचिव नीरज मित्तल ने राज्यों के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में निर्देश दिया है कि इस अतिरिक्त आपूर्ति में इस्पात, वाहन, कपड़ा, रंग, रसायन और प्लास्टिक जैसे श्रम-प्रधान उद्योगों को प्राथमिकता दी जाए। ये क्षेत्र अन्य आवश्यक उद्योगों के लिए आधार का काम करते हैं। मित्तल ने पत्र में स्पष्ट किया कि अभी तक वाणिज्यिक गैस का आवंटन संकट-पूर्व के स्तर का 50 प्रतिशत ही दिया जा रहा था, जिसमें अब 20 प्रतिशत की अतिरिक्त वृद्धि का प्रस्ताव है। इस बढ़ोतरी के बाद गैर-घरेलू एलपीजी की कुल आपूर्ति अब संकट शुरू होने से पहले वाली मांग के 70 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी।

वैश्विक अनिश्चितताओं, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के साथ सेंसेक्स 1,690 अंक लुढ़का

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजारों में शुक्रवार को दो दिन की तेजी थम गयी और बीएसई सेंसेक्स 1,690 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी में 487 अंक की गिरावट आई। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और पश्चिम एशिया में संघर्ष में कमी आने के संकेत के अभाव में बाजार में गिरावट आई।

कारोबारियों के अनुसार कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहने, रुपये में गिरावट और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली ने भी बाजार की धारणा को कमजोर किया। बीएसई सेंसेक्स 1,690.23 अंक यानी 2.25 प्रतिशत टूटकर 73,583.22 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,739.04 अंक तक लुढ़क गया था। वहीं, एनएसई निफ्टी 486.85 अंक यानी 2.09 प्रतिशत गिरकर 22,819.60 पर आ गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड में सबसे ज्यादा 4.55 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा इंटरग्लोब एविएशन, बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयर में भी गिरावट रही। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारती एयरटेल और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन में बढ़त दर्ज की गई। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.72 प्रतिशत बढ़कर 109.9 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं भारतीय रुपया 86 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.82 (अस्थायी) के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का 'कॉस्पी' और जापान का 'निक्की नुकसान में रहे, जबकि शंघाई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग कस हैंगसेंग बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में गिरावट का रुख था, जबकि अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को तेज गिरावट के साथ बंद हुए थे। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि हाल की तेजी के बाद मुनाफावसूली देखने को मिली। रुपये में गिरावट, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने निवेशकों को सतर्क बना दिया है। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 1,805.37 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,429.78 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

मलाइका अरोड़ा ने रिश्तों पर की खुलकर बात

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में मॉडल सोराब बेदी के साथ उनकी कुछ तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद दोनों के अफेयर की चर्चाएं तेज हो गई थीं। अब इन अफवाहों पर मलाइका ने खुलकर प्रतिक्रिया दी है और इसे लेकर नाराजगी जाहिर की है। हालिया बातचीत में मलाइका ने कहा कि हर बार किसी के साथ दिखने पर उनका नाम जोड़ना अब बेहद अजीब और परेशान करने वाला हो गया है। उन्होंने साफ किया कि सोराब बेदी उनके अच्छे दोस्त हैं और उनके बीच ऐसा कुछ नहीं है, जैसा मीडिया में दिखाया जा रहा है। मलाइका ने बताया कि वह इन अफवाहों को अब गंभीरता से नहीं लेतीं। उन्होंने कहा कि वह और उनके बेटे अरहान खान इन खबरों पर साथ बैठकर हंसते हैं। उनके मुताबिक, हम दोनों इन खबरों पर खूब ठहाके लगाते हैं। अभिनेत्री ने अपने रिश्तों को लेकर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी साथी की जरूरत नहीं है, लेकिन साथ होना एक खूबसूरत एहसास है। मलाइका ने स्पष्ट किया कि वह फिलहाल अपनी जिंदगी को अपने तरीके से जी रही हैं और किसी रिश्ते की तलाश में नहीं हैं। गौरतलब है कि मलाइका अरोड़ा ने अभिनेता अरबाज खान से 1998 में शादी की थी। दोनों का एक बेटा अरहान है। हालांकि, 2017 में दोनों का तलाक हो गया। इसके बाद मलाइका का नाम अभिनेता अर्जुन कपूर के साथ जुड़ा, लेकिन कुछ समय पहले दोनों के अलग होने की खबरें भी सामने आईं। मलाइका ने अपने बयान में यह भी साफ कर दिया कि अगर वह भविष्य में किसी रिश्ते में आती हैं, तो वह फैसला पूरी तरह उनकी शर्तों पर होगा। फिलहाल, अभिनेत्री अपनी जिंदगी के इस दौर को पूरी तरह एंजॉय कर रही हैं।

नमित मल्होत्रा की फिल्म रामायण की अगली झलक 'राम' 02 अप्रैल को होगी रिवील

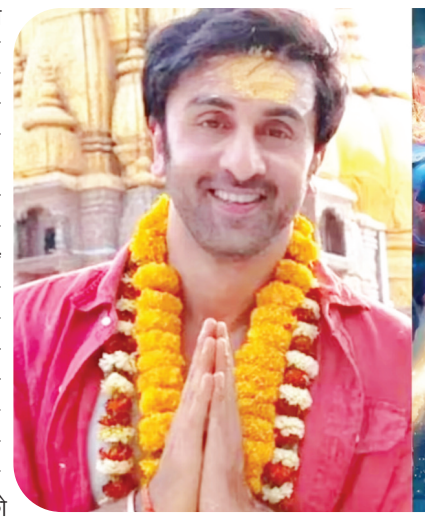

मुंबई। फिल्मकार नमित मल्होत्रा की आने वाली फिल्म रामायण की अगली झलक 'राम' 02 अप्रैल को रिवील होगी। रामायण 2026 की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है, जिसे एक भव्य सिनेमाई स्पेक्टेकल के रूप में ग्लोबल स्तर पर बनाया जा रहा है। नितेश तिवारी के निर्देशन में और नमित मल्होत्रा के प्रोडक्शन में बन रही यह दो भागों में आने वाली महाकाव्य फिल्म दुनिया भर के बेहतरीन क्रिएटिव टैलेंट को साथ लेकर एक ऐतिहासिक सिनेमाई इवेंट बनने की तैयारी में है। इसी उत्साह को और बढ़ाते हुए नमित मल्होत्रा ने 27 मार्च को मनाई जा रही राम नवमी के शुभ अवसर पर अपने सोशल मीडिया पर एक बेहद पर्सनल नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने रामायण के इस सफर के पीछे की कहानी बताई और साथ ही एक बड़ा अपडेट भी रिवील किया। पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा,शुभ राम नवमी ।यह एक ऐसी कहानी है जो हम सभी की है, और जो भी कदम हम उठा रहे हैं, वह पूरी जिम्मेदारी, श्रद्धा और समर्पण के साथ उठाया गया है, जिससे हमारी अपनी रामायण को उसकी सच्ची भावना और भव्यता के साथ पूरी ईमानदारी से जीवंत किया जा सके ।हम अगली झलक 'राम' को 02 अप्रैल को, हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर शेयर करने के लिए उत्सुक हैं, जहां हम अपने कई सालों की मेहनत को एक भव्य वर्ल्ड रिवील के जरिए फैंस के साथ साझा करेंगे और इस खास पल को पूरी दुनिया में सेलिब्रेट करेंगे ।आपके प्यार, विश्वास और धैर्य के लिए धन्यवाद ।" फिल्म रामायण ने रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे, साई पल्लवी सीता के किरदार में होंगी, रॉकिंग स्टार यश दमदार रावण के रूप में दिखेंगे, सनी देओल शक्तिशाली हनुमान बनेंगे और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका निभाएंगे। नितेश तिवारी के निर्देशन में और नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज द्वारा, आठ बार ऑस्कर जीत चुकी डीएनइजी और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स के साथ मिलकर बनाई जा रही रामायण को एक पाथब्रेकिंग सिनेमाई स्पेक्टेकल के रूप में देखा जा रहा है। यह दो भागों में आने वाली फिल्म दुनियाभर में आईमैक्स पर रिलीज होगी, जिसमें पहला पार्ट दिवाली 2026 और दूसरा पार्ट दिवाली 2027 में रिलीज होगा।

राम चरण के जन्मदिन पर 'पेड्डी पहलवान' लुक हुआ रिलीज

मुंबई। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार रामचरण के जन्मदिन के अवसर पर उनकी आने वाली फिल्म पेड्डी से 'पेड्डी पहलवान' लुक हुआ रिलीज हो गया है। फिल्म पेड्डी 2026 की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक बनकर उभरी है, जिसमें ग्लोबल स्टार राम चरण लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में हैं। अब मेकर्स ने शानदार कंटेंट 'पेड्डी पहलवान' रिलीज किया है, जिसमें राम चरण का क्रिकेट से कुश्ती की ओर ट्रांजिशन दिखाया गया है, और यह इंडस्ट्री के बेहतरीन ट्रांजिशन्स में से एक नजर आता है। पेड्डी पहलवान में राम चरण का क्रिकेट से कुश्ती की ओर ट्रांजिशन काफी यूनिक है। यह उनके फैंस के लिए किसी बेहतरीन बर्थडे गिफ्ट से कम नहीं है। आरआरआर के बाद उनका यह नया अवतार बेहद एक्साइटिंग लग रहा है। इससे पहले हमने आरआरआर में उनका शानदार ट्रांसफॉर्मेशन देखा था, और अब एक बार फिर उन्होंने खुद को बिल्कुल अलग अंदाज में पेश किया है। यह इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन ट्रांसफॉर्मेशन्स में से एक कहने लायक है। वेंकट सतीश किलारु द्वारा उनके बैनर वृद्धि सिनेमाज के तहत और प्रमुख प्रोडक्शन हाउस मिथ्री मूवी मेकर्स के सहयोग से बनी यह फिल्म 30 अप्रैल 2026 को रिलीज के लिए तैयार है।

शादी के एक महीने बाद रश्मिका मंदाना-विजय देवरकोंडा ने शेयर कीं अनदेखी तस्वीरें, इमोशनल पोस्ट से जीता दिल

मुंबई। शादी के एक महीने बाद रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने अपनी वेडिंग की अनदेखी तस्वीरें शेयर की हैं। दोनों के इमोशनल पोस्ट ने फैंस का दिल जीत लिया है। साउथ सिनेमा के चर्चित कपल रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा अपनी शादी के बाद से लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। दोनों की केमिस्ट्री पहले ही फैंस के बीच काफी पसंद की जाती रही है, और अब शादी के बाद उनका हर पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो जाता है। हाल ही में इस कपल ने अपनी शादी के एक महीने पूरे होने पर खास अंदाज में जश्न मनाया और कुछ अनदेखी तस्वीरें शेयर कर सभी को सरप्राइज दे दिया। रश्मिका मंदाना ने अनदेखी तस्वीरों के साथ जताया आभार रश्मिका मंदाना ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में शादी से जुड़े खास पलों की झलक दिखाई। इन तस्वीरों में उनके ज्वेलरी डिजाइनर, वेडिंग प्लानर और करीबी दोस्तों के साथ बिताए यादगार पल शामिल थे। उन्होंने इमोशनल नोट में लिखा कि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा कि शादी को एक महीना हो गया है। उन्होंने उन सभी महिलाओं का दिल से धन्यवाद किया, जिन्होंने इस पूरे सफर में उनका साथ दिया और हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाया। विजय देवरकोंडा का खास मैसेज वहीं विजय देवरकोंडा ने भी अपनी तरफ से कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए जिंदगी के खास पलों पर बात की। उन्होंने लिखा कि जिंदगी में कुछ पल ऐसे होते हैं, जो बहुत खास होते हैं और हमेशा याद रह जाते हैं। उन्होंने उन सभी लोगों का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने उनकी शादी को यादगार बनाने में अहम भूमिका निभाई। विजय ने यह भी कहा कि अब वह और रश्मिका फिर से अपने काम में व्यस्त हो रहे हैं, लेकिन इन यादों को हमेशा संजोकर रखेंगे। उदयपुर में हुई थी शाही शादी रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने 26 फरवरी को उदयपुर में एक भव्य समारोह के दौरान शादी की थी। इस शादी में सिर्फ परिवार और करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। इसके बाद दोनों ने इंडस्ट्री के दोस्तों के लिए एक ग्रैंड रिसेप्शन भी रखा, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं। फैंस लुटा रहे प्यार शादी के बाद से यह कपल लगातार अपनी वेडिंग फंक्शन्स की झलक फैंस के साथ शेयर कर रहा है, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। कुल मिलाकर, रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की ये अनदेखी तस्वीरें उनके खूबसूरत रिश्ते और यादगार पलों की झलक देती हैं, जो फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं हैं।